आँगनबारी मिडिया प्रा.लि. से निकारो भओ

दर्ता नं.: २१६९६९/०७५/०७६

रानाथारु भाषाकी सबेरो

अर्धवार्षिक पत्रिका

वर्ष १ अंक १ वि.सं. २०७७

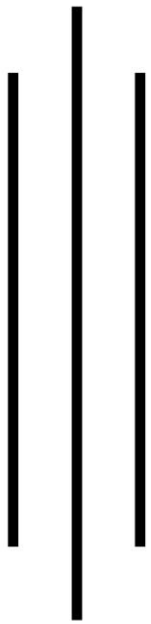

दिन कटो रात बिति भई साँझसे सबेरो ।
उठउन बहुवार मेरी अँगना बढारो ।।

रानाथारू.com परिवार

सम्पादकीय

कोभिड-१९ कोरोना को आगमन के संगए आज समग्र विश्व परिवेशको अवस्था नाजुक हाए। जहाँ नेपालको अवस्था फिर गम्भिर परिस्थितिसे गुजरन डटो हए। होनता जा कोरोना कहनिया शब्दको अर्थ आपन ढुडङ्गे कहेसे जा अपनएमे स्पष्ट हए। आपनको भाषामे "कोरो" कहेसे कोइफिर चिज सफा, शुद्ध या पवित्र हए करके बुझात हए। अइसिए "ना" को अर्थ नाए या नइया कहनो होत हए तबही मारे जा "कोरोना" अपनेमए अच्छो नइया, शुद्ध नइया, पवित्र नाहए करके बुझात हए जहेमारे आपन सबए के जा चिजसे बचन हए सजक और सचेत होनपडो जौनके तांही आपन स्वयमके सफा, शुद्ध और पवित्र होनपडो मिर कहनको मतलब जा हए कि आपनके कोरोनासे बचनके ताहिं सबए किसिमके नितिनियम पालना करनपडो।

समय और शिक्षा एकदुसरेके परिपुरक हएँ। एकदुसरेसे अन्तरसम्बन्धित हएँ। शिक्षा अपनेमे एक महत्वपुर्ण अङ्ग जौनके नाहोनसे आदमी सपाङ्ग होनसे फिर अपाङ्ग मानोजात हए। और शिक्षा समय परिस्थिति बमोजिम परिवर्तन होत जात हए। जाको अर्थ शिक्षा परिवर्तनशिल हए। आजको शिक्षा कलके तांहि पुरानो हुइसकत हए। कल पढोभव शिक्षा आजको समय परिस्थिति अनुसार नकाम हुइगव। मेरो कहानको अर्थ जा हए कि आज कोरोना कहरके अवस्थासे आपन सब गुजरन डटे हएँ, जा अवस्थामे पढियाबालक स्कुलमे जाएके सबए संग कक्षाकोठामे बैठके पढन सकनिया अवस्था नाहए, एकदमै जोखिमपुर्ण हए जौनके बिकल्पमे प्रविधिमुलक शिक्षा अजाको आवश्यकता हए। प्रविधिको प्रयोगसे नेट, इन्टरनेट, अनलाइन पढाई कम्प्युटरके माध्यमसे अग्गु बढन डटो हए। पहिले गुरुकुल मे लैभव शिक्षा कलके ताहिँ प्राचिन लागत रहए। कलके आधुनिक कक्षा कोठा देनिया शिक्षा आज कोरोनाकालमे नकाम हुइरहो हए। जा कहेसे समग्र नेपालको शैक्षिक जगतको अवस्था हए। यदि आपन पनो समाजको अवस्था अध्ययन करत हए से अवस्था और गम्भिर हए चुनौतिपुर्ण हए। मए देखन डटो आदमीनके पास बडे(बडेभारी एन्ड्रोइड मोबाइल हए, नेट, इन्टरनेट हए, वाइफाइ, ट्याब, कम्प्युटर, ल्यापटप हए तर शैक्षिक प्रयोग जिरो हए प्रयोग हए त केवल फेसबुक, मेसेज फोनकलके ताहिंमात्र जाके कारणसे हामरो समाज और हमर विद्यार्थी भइया(बहिनियनको भविष्य अन्धाकार होनडटो हए। जहेमारे जा लेख मार्फत मेरे प्यारे सबए रानाथरुवा ददाभैयानसे अनुरोध हएकि कृपाकरके अपने(अपने बच्चाके गाइड करएँ। अनलाइन शिक्षाके माध्यमसे प्रविधिमे फिर पंहुच बनामए और बच्चनको भविष्य उज्वल बनामए। धन्यवाद

प्रधान सम्पादक

नन्दलाल राना

९८४८४६३१७६

कार्यकारी सम्पादक

नरेश राना

९८११६१३०४८

भाषा सम्पादक

प्रेम चन्द

९८६८५५१५६१

जानमति राना

९८४८७९७४६७

व्यवस्थापक

पुनम राना

९८२५६८८१०६

बजार व्यवस्थापक

सुनिल राना

९८६४७५१३४०

प्रकाशक

आँगनबारी मिडिया प्रा.लि.

ध.उ.म.न.पा.-७, देवहरिया, कैलाली

मुद्रण

लोकेन्द्र प्रिन्टिङ्ग प्रेस एण्ड पब्लिकेशन प्रा.लि.

धनगढी-१, कैलाली

फोन : ०९१-५२५१६४

जाके भीतर

१	पहिली सफलता	१
२	मिर प्रश्न जा समाज से	३
३	अवाज रानाथारु सह अस्तित्वकी	५
४	तुम अपन बच्चनके उपर लगानी करत हौं भितर ?	६
५	हम रानामे एकरुपता कब ?	८
६	अन्धविश्वास हए बोक्सी प्रथा	९
७	जीवनी स्व. नन्दलाल राना	११
८	अगर आपन नुन खान छोडदेहएँ त का होबैगो ?	१४
९	"लौंडिया" एक संघर्ष जीवन	१५
१०	रानाथारु व्यहामे वैकल्पिक आधुनिकता	१६
११	उडचलो थारुवाट-२	१८
१२	जनमसे मरन तकको संस्कार	१९
१३	भिं भिं हन्ना नाचको सुरुवात कैसे भओ हए ?	२२
१४	ऐया और बाबा	२३
१५	जा कैसो चलन	२३
१६	ब्यहागरो	२४
१७	जब रात होत हए	२४
१८	मोके याद हए	२५
१९	देवौ दुवा	२५
२०	नेपाल	२६
२१	समानकी गीत	२६
२२	हमर संस्कृति हमर पहिचान	२७
२३	गजल	२७
२४	चट्किला	२८
२५	उनकी यादमे	२८
२६	सिना गुथना	३०
२७	बघटा और भैंसिया	३२
२८	अनलाइन गेमिङ	३३
२९	नेपालमे संघियताको विकास और संवैधानिक व्यवस्था	३५
३०	सुदूरपश्चिम प्रदेशको एक झलक	३९
३१	फोन डायरी	४३

पहिली सफलता

✍ भोज राज राना
पु.न.पा ८, ढक्का, कञ्चनपुर
अभे : अबधावी, दुबई

राम राम सब हितुवा पढन बाले सब जनै मेरी नमन जिन्दगीकी भाग दौडमे आपन बहुत सम्बन्ध जोड देत हएँ और बहुत सम्बन्ध टुटे पता न चलत हए, आज मोके फिर अपनि मनकी बात लिखसी लग्गै आदमी सफल होन ढुडत हए पर असली सफलता क हए भुल जात हए, मिर बिचारमे एक सच्चो आदमीके तही परिवारकी खुशिसे बडो कोइ सफलता न हए, कहत हएँ एक पहिली लिखसे डगरकी सुरूवात होत हए और आपनकी जिवनमे आपन सफल बहे दिन होन्गे जौन दिन परिवार

आपनके एक जिम्मेवार इन्शानके रूपमे सुइकारैगो, अगर आपन अपनी पारिवारके खुशि न दयपाए उनकी बिश्वास न जितपाए त दुनिया जीतके फिर हार हए, परिवारमे हर सम्बन्ध खास हए परिवारकी हर सदस्यकी एक खुशि परिवार बनानमे हात होत हए जित्तो एक अच्छो मजबुत घर बनानमे एक इट्टाकि महत्व होत हए, ज चिज दिखात सजिलो हए पर बहुत मुस्किल हए काहेकि परिवारमे जन्मलेन से ज्यधा परिवारमे रहिके मरन बडी बात होत हए, और बक ताहीँ आपनके मेहनत करन पडत हए, एक दुसरेकी भावनाके सम्फन बुझन एक दुसरेके सम्मान करन जरूरी हए, आपन बडी कम्पनीमे काम करन महिनौमे लाखौँ कमान, एक अच्छो शिक्षा लेन जानकार बनन सफलता ना हए, अगर जा सफलता होतो त सायद आपन कभी सफल आदमी ना होते, सफलता कहनियाँ चिज आपनकी खुशि हए, कहत हएँ जब आपन खुशि हएँ त झोपडीमे फिर मजासे सोयलेत हएँ, और जिन्दगीकी सबसे बडि सफलतए खुशि होन हए, परिवारमे खुशि देन शान्ति संस्कार और सम्मानसे जिनसे बडो कोइ सफलता ना हए, मै ज न कहत हओं कि अदमीके पैसा कमान य पढन न हए कर्के मिर कहाई जा हए जैसी एक नारी बहे बेरा अच्छी दिखात हए जब श्रृंगार करी होत हए, जैसीकि घँगरिया, अँगिया, उनियाँ, नग्बेसर, पैडा पैंधे अच्छी दिखात हए उइसि अदमीकि जिन्दगीमे पढाई, कमाइ, सम्झदारी, सम्मानित होन तब जाएके आदमी सफल होत हए, पैसा कमानके या ब्यपार करन जिन्दगीकी खास सफलता न हए, जिवनमे त्रिप्त, सन्तुष्ट, खुशि ना हए त कछु चिजसे कभि ना पुगैगो, आपनके जौने एक जिन्दगी हए और कहात हएँ रे कौन देखो दुबारा जनम हुइहएकी नाए और आपनके असरा देखन फिर ना हए जो हए जहे जनममे हए जा सोच एक सफल नागरिक बनन जरूरि हए और सफलता मेरी बिचारमे एक दुसरेके सहयोग करन, एक दुसरेके अच्छे काम करन ताहीँ प्रेरणा देनसे बडो सफल आदमी कोइ ना हए ।

और आपन कच्छु काममे सफल होनसे फिर अपनी जिन्दगीमे सफल होन जरूरि हए ब सिर्फ तुम मात्र

कर सकत हओ, कहत हएँ रे सारा दुनिया मिलके एक आदमीमे परिवर्तन या बक बद्लन कोसिस करन्ो त न बदल सकत हएँ, जब तक बद्लन बारो आदमि खुद बदलन नचाहत हए तबतक, मिर जा लेखकी बिषय पहिली सफलता रहए और मीर बिचारमे

ऐया पहिली संगिन हए
ऐया हर दुःखकि दवा हए

सफलता सिर्फ एक हए ब हए तुमर खुशि, तुमर परिवारकी खुशि, एक अच्छो नागरिक हुइके चिनन् जासे बडि कोइ सफलता ना हए, जिन्दगीमे काम करन या अच्छि जागिर करन, मेहनत करन जरूरी हए । आपनकी उप्लब्धि, आपनकी प्रगति, आपनकी मेहनत आपनके सफल होन सहयोग करैगी पर आखिरमे आपनकी सफलता अपने आपमे परिवारमे खुशि होन और बाँटन हए, सफल आदमी कभी परिवारके दुर ना करत हए । परिवारकी समस्याके दुर करत हए और सबके समेटके रखात हए ।

जिन्दगीकी खुशि, शान्ति, और सन्तुष्टी कोइ फिर पैसा या दौलत न किन सक्त हए, आपन जहाँ हएँ खुशि होन, जौन अवस्थामे फिर अच्छो प्रभाबदायक फैसला लेन सिखन फिर एक सफल नागरिकी पहिचान हए, मिर बिचारमे सबसे पहिली सफलता खुशि होन हए, कोइ दुसरो आदमी आपनके सम्मान करए त आपनके पहिचानके करए आपनकी इन्शानियतके करए नकी आपनकी पद पैसा या पावरके करए, दुनिया तुमके तुमर बिना पैसा, तुमर बिना पदकी, तुमर बिना पावरकी तुमर सम्मान करन लग जाए सुचियो तुम सफलताकी डगरमे चलन लगे हओ जीवनके साधारण तरिकासे जिन सिखएँ, सोच बडि रखएँ, सचेत नागरिक बनके अग्गु बढएँ, मेहनत करनसे कभि पिच्छु न हटएँ कोइके ताहीं आपन उनकी प्रेरणाकी स्रोत बनएँ, कोइ आपनके देखके एक फिर अच्छि बात सिकएँ, मिर बिचारमे जहे पहिली और सबसे बडि सफलता हए ।

धन्यबाद !!!!

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

अध्यक्ष
भजन राना
और
देवहरिया सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह परिवार
धनगढी उ.म.न.पा.-७, देवहरिया, कैलाली

मिर प्रश्न जा समाजसे

✍ उमेश राना
ध.उ.म.न.पा.-७,देवहरीया, कैलाली

मए अपन पढाई ब्याङ्गलौरसे खतम करके काठमाडौं बैठन लागो रहौं । काठमाडौं मे मिर एक भैलुसे भेटघाट भइ । शुरूमे त अब हालखबर साटासाट करे फिर थोरी देरमे मए भैलुसे पढाईकी बारेम पुछन लागो । बो भैलुके मए पहिलिएसे तमान बच्चाएसे जानत रहौं । भैलु त बच्चाएसे पढाईलिखाईमे अच्छो रहए और SEE मे फिर Distinction लाएके काठमाडौंमे +2, विज्ञानशास्त्रमे करन आओ रहए । संयोगवस मए फिर विज्ञानशास्त्रको विद्यार्थी पडिगौ तभि मए भैलुसे पुछ्दौ कि विज्ञान शास्त्र कैसी हए ? सजिलो लागो कि गाह्रो ? तौ भैलु बतात हए कहाँ ददा यार, विज्ञान न शिज्ञान मए त CTEVT को ३ वर्षे डिप्लोमा करन डाटो हौं । फिर मए भैलुसे पुछत हौं तए त विज्ञानशास्त्र लैके पढो रहए फिर कैसै CTEVT? लम्बी शास लैके भैलु काहत हए दाइ यार मिर जिन्दगी त लास्ट झोल हुइगौ यार । तब मए का का भौ और कौन हिसाबसे तए अपन जिन्दगीके झोल मानत हए ? काहेकी जितका मए बो भैलुकी बारेम जानत रहऔं बो हिसाबसे बो एकदमै पढनमे अच्छो विगडो फिर नाए रहए । अग्गु भैलु काहत हए ददा यार मिर Girlfriend र हए SEE घेना पर GF कि कारणसे पढाईमे सायदै अप्रत्यक्ष रूपसे असर पडो होबए । SEE मे मिर Distinction आओ तौ मिर घरवाले मोए काठमाडौं पढन पठादै । हिना मए एक प्रख्यातै क्याम्पसमे Admission पाइगौ । थुर दिन सम त मए क्याम्पसकि होस्टेलमे रहो फिर हुनाको खानो और मिर मोबाइल चोरी हुइगै तब मए हुनासे डेरा सारके अपन संगीउङ्गी संग एक अपार्टमेन्टमे रहन लागो रहौं, जहाँ ३ कोठा रहए । फिर कुछ दिन बाद मिर GF फिर गाउँसे मिर ठिना आइगै । अब हम living relationship मे बैठन लागे रहए । मिर relation कि बारेमे मिर घर मे फिर आइया, दिदिके पता रहए और उतए लौडियाकि घरमे फिर आइया, दौवाके पता रहए । २।३ महिना हम खुब अच्छेसे संगए रहे । फिर बोकी हरकतमे थोरी फरक आइगौ । एकदिन मए क्याम्पस से आत हौं त बो त घरमे नरहए । मए बाके फोन करो तौ फोन फिर नलागो, अपार्टमेन्टके सब संगिसे पुछ डारो पर कोइके फिर पता नरहए । मुक बेढम रूवासी लागन लागो रहए, का कराओं कुछ समझमे न आत रहए । बोकी सबए संगिनसे पुछ डारो कोइके पता नरहए । घरमे फिर कैसे बतामौ, आखिरमे बोकी सुरक्षा त मिर जिम्मेवारी रहए । अब रातको ८.०० बजन लागो रहए और मिर GF को अत्तोपत्तो न रहए तौ मए अब लास्टमे पुलिसके खबर करन पडो करके सोचो, तभि मिर मोबाइलकि घन्टी बजत हए । मिर GF कि फोन आत रहए, मए झटपट उठाएके पुछो कहाँ हए ? बो कहत हए मए त धनगढी जान डाटो हौं और अभए गाडीमे हौं, अग्गु नेटवार्क न आत रहए तभी फोन न कर पाओ । मिर त गजब दिक्क लागि, अरे यार कमसेकम बतान त रहए कि घर जात हौं करके, मए बसपार्कले छोड्के त अइतो और घर जानकी पडी क रहए, नए लडाई नए झगडा भौ रहए । बो बस घर जान मन रहए इकल्लो कहिके फोन धरदै । तबसे हमर सम्बन्धमे ओरालो लग्गौ । मए बोसे साँचो माया करत रहौं, तभी मए बहुत कोसिस करो अपन सम्बन्ध बचान ताहिं पर बो उल्टा-उल्टा बात इकल्ली करए । इतए मिर पढाइ डमाडोल हुइगै, Back लग्गै, पढाइमे एकु मन नलगए, अब पढाइ छोडनमे आइगौ रहौं । फिर मिर पापा काठमाडौं आओ और एक दादो फिर रहए । बा दिन मए अपन पापाकि सब चिज बताओ और कहो मोए अब पढन मन न लागत हए तौ पापा और दादो खुब समझाई तौ जाएके मए पढाइकि तानि राजि भौ ।

पर बा दिनसे मिर दौवा मिर उपरसे विश्वासै करन छोड्दै । जौन काठमाडौंमे बैठत हए बिनके त पतए हुइहए काठमाडौं कितका खर्चिचो शहर हए कर

के । मए कलङ्की मे इकल्लो रूममे रहत रहौं और मिर क्याम्पस बसपार्क घेना रहए । मिर रूम भाडा ४५०० रहए पर मिर दौवा घरसे महिनाको ६००० इकल्लो रूम भाडा पठाए देबए यार ददा । उतकाए रूपैयाँमे रूम भाडा, गाडी भाडा, तरकारी खर्च कैसे चलामौ यार ददा । इतए अपनो पेट पालन अकठो हुइरहो हए, उतए पढाइ घेना फोकसै न करपए रहो हौं । गल्ति त मेरि है यार ददा, पढन ठाउँमे सत्यानास करके धरलौ जिन्दगी । मौए त अब घरघेना पत्यातौ न हए यार ददा ।

भैलुकि दुःख सुनके बहुत दुःख लागो मोके । इतनो अच्छो हट्टाकट्टा, सुथरो पढाईमे खप्पिस आदमीकी हालत आज ऐसो पाओ । फिर मिर मनमे एक खायल आओ । क गल्ति बस भैलु करि हए ? और कोई गल्ति करि न हए आजतक ? आज कहलिया बडे बुजुर्ग जौन हमके ज्ञानगुनकि डगर दिखात हँए, अपन अनुभव सिखात हँए, क बे कभि गल्ति न करि ? मए त सुनो रहौं गल्ति हि ज्ञानको मार्गदर्शन और सफलताको पहिलो कडि हए, फिर काहे हमर समाजमे छोटी-छोटि गल्तिके फिर बहुत criticize करत हएँ । क आइया, दौवाको काम बच्चनको पढाना लिखाना इकल्लो हए ? हर बच्चा नेगन सिखत पेति लडखडत हए, तौ आइया, दौवाको काम बच्चाको समहारन, अच्छो शिक्षा देन, माया, प्रेम करनसे अलवा बच्चाकि उपर विश्वास करन और बच्चाकि अत्मविश्वासमे कमि नाआनदैके हरदम अच्छो कामकि तानि प्रेरित करन फिर हए कि नाए ?

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. दरबारी राना

मो.नं. : ९८५८४८८९७८, ९८१४६३७९७८

ऐ.के. मिट एण्ड पोल्ट्री सप्लायर्स एण्ड फिस हाउस

ध.उ.म.न.पा.-१३, राजपुर, कैलाली

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. अमरसिंह राना

मो.नं. : ९८१४६१२१४६

अमर फेन्सी एण्ड कस्मेटीक स्टोर

ध.उ.म.न.पा.-१३, राजपुर, कैलाली

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. राजकुमार राना

मो.नं. : ९८१२६१२२०८, ९८११६०१०८४

राजु इलेक्ट्रीकल्स

मेनरोड धनगढी चौराहा

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. हरिचन्द राना

मो.नं. : ९८२५६७७२२३

राना क्लीनिक

लालझाडी गा.पा., कन्जचौराहा, कञ्चनपुर

अवाज रानाथारू सह अस्तित्वकी

✍ राजकुमार राना
महासचिब
नेपाल आदिवासी जनजाती महासंघ
सुदुरपश्चिम समन्व्य परिषद

२१औ शताब्दीको विश्वपरिवेशमय जहाँ सुचना और प्रविधिको ज्यादा प्रभाव हए विश्वके तमाम विकसित राष्ट्र सुचना प्रविधिक क्षेत्रमे अपनो हक जमान लागेपडे हए । पर हमर राष्ट्रको सन्दर्भए फरक ढङगको हए । हियाँ अनलाईन मिडिया और सामाजिक सञ्जाल सुचना सञ्चारके क्षेत्रमे महत्वपुर्ण भुमिका निभाएरही हएँ । गहिरो नजर करके देखोजाए त प्रिन्ट मिडियाको महत्व औ आवश्यकता कबहु फिर कम नहोबएगो ।

नेपाल मे संविधान सभा मार्फत संविधानको निर्माण पश्चात मुलुक एक गणतान्त्रिक राष्ट्रके रूपमे स्थापित भओ सन्दर्भमे स्वभाविक रूपमे संविधान कार्यान्वयनके माध्यमसे राष्ट्रके समृद्धि और बिकास के डगरमे आगु बढनके ताहीं नेपालके हरेक समुदाय पहिचान, अधिकार के हिसाबसे समानुरूपसे अधिकार सम्पन्न होन जरूरी हए । आज फिर नेपालको पररराष्ट्र नितिको असंलग्न होनो कहेसे नत देश पुंजीबाद घेनलागन नत साम्यवाद घेन यदि जिनमै से कोइ एकघेना मुलुक लागएगो कहेसे प्रत्येक समुदायको अस्तित्व मात्र नाए समग्र मुलुकको अस्तित्व खतरामे पढसकत हए । अर्थात नेपाल और हियाके सबए विशिष्ट कलासंस्कृतिके जातजाती समुदायको अपनो अस्तित्व बचानके ताँहि जे दुई किसिमकै नातावाद कृपावाद से अलग राजनीतिक वाद सिर्जना करके आगु बढन जरूरी हए, करके दार्शनिक लोगनकी कहाइ हए ।

रानाथारू समुदायमे एक नयाँ प्रकार की बहसको सुरूवात हुइगओ हए । २०७६ सालको अन्त्यके संगसंगए ह्वर्सोउल्लास और प्रशिक्षण बर्षके रूपमे समग्र रानाथारू समुदाय ठहर हए । स्वभाविक रूपमे जौन बर्ष दुई दशक लम्मो जातिय पहिचानको मुद्दा स्थापित होत हए । आज रानाथारू समुदाय पहिचानके अधिकारके दिशामे आगु बढन पेती पहिलो चरण पार करडारी हए । जा गम्भीर प्रश्न के उपर एक नयाँ बहसको सुरूवात होन जरूरी हए । बहसको प्रसंग देखोजाए त ५९ जाती मे ६० औं आदिवासी जनजातीके रूपमे सुचिकृत होत दाव समग्र परिवारमे एक औ भैया (सदस्य) थपनो बराबर हए कहेसे आज रानाथारू समुदाय भैया अंश को हकदार होन पाबए कि नाए ? स्वभाविक रूपमे रानाथारू समुदाय भैया अंश को दावि करतए सह अस्तित्वकि सवाल उठान करतए ५९ जाती सरह रानाथारू के फिर राज्यसे प्राप्त होनियाँ हरेक सेवासुविधा को अंशियार मात्र नाए राज्यके हरेक निकायमे समानुपातिक प्रतिनिधित्वको ग्यारेन्टीको अधिकार प्राप्त करन चाहत हएँ । एक परिवारमे सबए भैयानको अस्तित्व बराबर होन हए कहेसे रानाथारू समुदायके फिर सह अस्तित्व के डगरमे हातेमालो करके संगए आगु बढन जरूरी हए ।

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्र.अ.
मनराज यादव
और
पार्वती आधारभूत विद्यालय
धनगढी उ.म.न.पा.-१, पुरानो एयरपोर्ट, कैलाली

तुम अपन बच्चनके उपर लगानी करत हौं की भितर ?

✍ सेवाराम राना
पुनर्वास न.पा.-१०, विकासबस्ती

स मान्यतया कोई भी आम आदमी अपन सन्तानके हमेशा सफलता मिलए करके सोचत हएँ । पर हम बच्चनमे अपन सन्ततीके उपर खर्च करत हएँ की विनके विश्वाससे पहिले जब कोइको सन्तान होत हए वा बच्चा जन्म लेत हए तओ कोइ आदमी बो अपन बच्चाकी खुशियाली करत होत हए । और अइसी समय गुजरत आत हए । और एक वर्ष हुइजात हए तओ बच्चाको जन्म दिन मनान लागत हएँ । बहुत खिलौना कि गिफ्ट हम बे बच्चनकी उपहार स्वरूप देत हएँ ।

अगर कोइ अभिभावकसे कोइ कुछ सवाल करए कि तुम इत्तो मिहनत काहे करत हओ ? तओ सबकी जहे होत हए की मए मेहेनत जाकिमारे करत हओं की मिर सन्ततीके बे जग्गा जमिन, घर, मकान और गाडी हरेक सम्पती विनके ताँही जोडके जामङगो ताकी आनबारो समयमे विनके कोइभी परेसानी नहोए ।

पर मानौ हमर बच्चा गलत डगरमे चलन लगो तओ बे घर जग्गा सम्पती गाडी की सही प्रयोग करपामंगे अगर हम विश्वासके साथ कहएँ की हमर बच्चा बहुत अच्छो बनए और बे पैसा उमेर सम्पतीकी जरूरत हए ? बे खुद अपन कमाई करके जरूर सफलता प्राप्त करलेमए । तओ विनके ताहीं तुमर पैसाकी जरूरत नाए की ? सवाल जा हए की हम विन के ताहीं काका छोडके जात हएँ ? तओ विनके का सब मिलत हए ?

हम बच्चनमे बे कुछ गुण छोडके जामए जैसिकी नेतृत्व, दयामाया, आदर, करूणा मानत,विहा जैसी

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हिना नयाँ डिजाईनक कुर्ता,सुँट, विहाके कोट पाइन्ट सुफत मुल्यमे सिलाइ होत हए । जाके सँगए कुर्ता ,सुँट ,कोट पाइन्टके लत्ता फिर मिलत हए । सेवा करन मौका जरुर दियो ।

प्रो. हिकिम चौधरी
मो. नं. ९८०९४१३९९७

अपि एग्रोमेट
लालझाडी गाउँ पालिका-४, सिकलपट्टी

चिज छोडके ज्ञान हए त की एक अच्छी आदमी बन पामएँ । पहिले एक अच्छो चरित्र निर्माण करन हए । जे चिज अगर हम अपन बच्चनके छोडत हएँ तओ सफलता जरूर मिलैगी जैसी की जे तीन चिजमे फिर जरूर ध्यान देमए ।

इच्छा सबसे पहिले हमर बच्चनको इच्छा का हए ? विनके इच्छामे इच्छा जाहेर करन जरूरी हए । तमान ऐया दौवा जहे कहत हएँ की मए इन्जिनियर ना बनपाऔ तओ का मिर सन्तान इन्जिनियर य डाक्टर बनैगो पर हमर बच्चाको इच्छा का हए बो जानन जरूरी हए भले हमके लागएकी बच्चाके करियर सफल नहोबैगी जामे पर असफल बनाएके जरूर कर सिकाइ हमे विनके तयार जरूर तबही को कारण नहए उनको बच्चा समझके अग्गु बढन जरूरी हए ।

समय : समय एक महात्वपूर्ण चिज हए । प्रत्येक आशा दौवा अपन बच्चनके ताहीं समय निकारन जरूरी हए । विनकी छोटी छोटी खुशिमे और परीक्षाके समयमे, विशेष करके परिक्षाके समयमे बच्चा बहुत चिन्तित होत हएँ । बच्चनको समय तालिका देखने विनके सही समयमे मद्दत करनो, जा के संगए कभु बच्चाके खेलन कुदनकी मन फिर लागत हए तओ बो आन्तरिक काम फिर करन जरूरी हए, हमेशा पढाइए से फिर बच्चा दिकदार हुइजात हए । बच्चा गेम खेलत हए तओ विनकी दहिनी दिमाग क्रियासिल होत हए । और दहिनी दिमाक क्रियासिल होनकी मतलब सिर्जनात्मक काम सोच्नो नयाँ काम नयाँ सोच बनानो । और जब पढाइमे बच्चा ध्यान देत हएँ तओ विनकी दिवरी दिमाग काम करत होत हए । यानकी लोजिकल दिमाक शुरू होत हए । तओमारे बच्चाके कौन समयमे हम साथ देमएँ जा चिज बहुत जरूरी हए ।

सहभागीता : हरेक अभिभावकको जिम्मेबारी एक और चीज हए । बो हए सहभागिता बच्चनके ताहीं चाहे जुन्मदिन होए वा कोइ विशेष दिनमे हम अपनए समिल होन जरूरी हए तकी विनके फिर महासुस होए कि हमर ऐया दौवा हमर हमेशा साथ हएँ । तहीमारे हरेक ऐया दौवाके सोचन हए की हम अपन बच्चनके उपर लगानी करएँ की भितर लगानी कर एँ । धनवान वननसे भि चरित्रवान बनान जरूरी हए ।

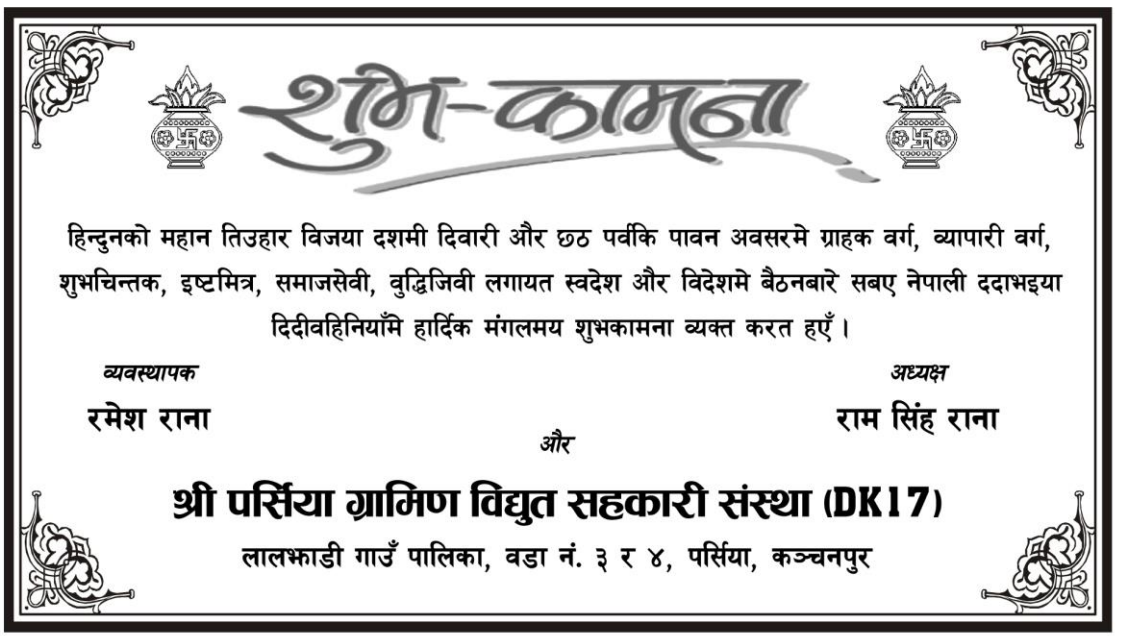

हम राना मे एकरूपता कब ?

✍ डबल बहादुर राना
लालझाडी-४, डाङाजाई,कञ्चनपुर

आदरणीय पाठकवृन्द ! मै एक सामुदयिक विद्यालयको शिक्षकके रूपमे काम कररहो हए । मेरी नजरमे हम राना अभए तक एकरूपता ना हुइपाए हएँ । तही मारे मिर मनमे लागीभै बात जा लेख के रूपमे एक सन्देश सरह जा पत्रिका मार्फत सबएके मनमे बैठए कहिके आशाके संग लिखन जायरहो हए ।

हम राना कहात हएँ नेपाल सरकार हमर तिउहारकी कोइ इज्जत ना करत हए अर्थात हमर तिउहारमे विदा ना होत हए तओ होबए कैसे ? मए कहन चाहत हए, हम राना एकै संग तिउहार मानतए ना हएँ । कोइ आज मनायरहो हए तओ कोइ दूसरो सुम्मार अथवा दुसरे विस्पत के मनायरहे हएँ । जा हमरी बहुत बडी गल्ती हए और हम ऐसे ना करएँ । हमर रानाथारूकी अगुवाई करनवारी टिम जैसेकि रानाथारू संघर्ष समिति और नेपाल रानाथारू समाज दोनो मिलके प्रत्येक बर्ष पत्तुरा निकारत हएँ और वहे पत्तुरा के आधारमे जम्मै देमए तब जाएके भव्य तरिकासे मनात फिर पामंगे ।

मेरी कहाइ का हए कि हमर राना संस्कृतिके संग प्रकृति फिर मेल खात हए । तवहीमारे दुसरे जात के व्यक्ति हमर संस्कृतिके तिउहार अथवा भोज, विवाह आदिमे मेहे बरसत हए कहिके दंग पडजात हएँ और जा पक्कए हए यदि हमर पुरानी रीति के आधारमे ब्यहा और घडाको दौष धरैं तओ ९० प्रतिशत पानी पडनको सम्भावना होत हए । तओ इतनोअच्छी रीति हम काहे भूलरहे हएँ ।

आदरणीय पाठकवृन्द ! सबसे मेरी अनुरोध हए कोइ भी तिउहार पत्तुरा देखके संगए मनामए और ब्याह, घडा के दौष रीति के आधारमे धरएँ जैसी :-

१ - ब्याहको दौषके ताँहीं दुइपखीया धरनपडो (पिछौछो एक पाख मे हए तओ ब्याह दुसरो पाखमे होनपडो)

२ - घडाको दौषके ताहीं छोरक बुध या छोरक इतबार (अँधियारीको अन्तिम बुध या अन्तिम इतबार)

पाठकवृन्द ! हम कहत हएँ कुरीति हटामए संस्कृति बचामए तर जा को ठिक उल्टा हुइरहो हए रीति छोडरहे हएँ कुरीति लायरहे हएँ । जैसे तिज, दिवारी, होरी, चराइ, अषाडी, दीना इतबार आदि सबए तिउहार मे एकरूपता लामए तवही हमर समाज एक शुद्ध और निर्भल समाज होवैगो । जा लेखमे मए इतकए लिखके कलम बन्द करन चाहत हए । लेओ राम ! राम !

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्रो.
धनप्रसाद काफ्ले
राजमोहन चिया पसल
धनगढी उ.म.न.पा.-७, मोतीचोक, कैलाली

अन्धविश्वास हए बोक्सी प्रथा

✍ नेत्रा नाथ (जोशी)
शिक्षक
शिव आधारभुत विद्यालय देवहरिया

आज हम बैज्ञानिक युगमे हएँ, कि ता प्रगतिके पथमे अग्गु बढनपडो या फिर पुरानो सोचके भितर छटपटान पडो, दुसरो विकल्प नहए । आजके युगमे फिर अन्धविश्वास होनकहेक राक्षस बराबरको आविवेक होन हए । तहुँ फिर नारीनके हिनकर बनानबाले हमर समाजमे बहुत मेलके परम्मरा हएँ । बे मइसे समाजमे जरागाडके बैठे हएँ और मनमष्तिस्क से बाहेर निकारन नसिकनियाँ समाजके कलंकित बनानबालो आधारहिन प्रथाको नाम हए बोक्सी प्रथा । आजके दिनमे फिर दिन प्रति दिन महिला उपर बोक्सीके अरोपमे खासकरके असहाय, गरिव, विद्युवा आरोपित हुइरहि हएँ । दिन देहाडए आरोपित महिला निर्घात पिटत पिटतहएँ, मलमुत्र खबात हएँ, गाउँसे बाहेर निकार देत हएँ । तहु फिर पीडितके पक्षमे सब मौन रहिके तमासा इकल्लो देखतहएँ । रोगके बोक्सीको नाम देतहएँ, अस्पताल लैजानके सट्टा भर्राभुइहार करात हएँ । अपन अन्धविश्वास कि तर्क देत हए । कमजोर और असहायके बोक्सी बनात हएँ । विरामीके पिडा उपर और पिडा देत हए । एकघेना रोग और दुसरेघेना उपचार नापइके रोगी और रोगीहोतय जातहए । समाजके भद्रभलादमी फिर अच्छिबात बतकात आनन्दलेत हएँ । महिला मुक्तीक पक्षधर फिर बोक्सीक पक्षपोषक हुइके नेगतहएँ कैसो हए विडम्बना ।

अशिक्षित इकल्लो नैयाँ, समाजमे अपनके सभ्य और सर्वज्ञाता कहानबाले फिर बोक्सी प्रथाके मामिलामे स्पष्ट नहएँ । महिला अधिकारबादीमे फिर जा के पक्षमे संबेदनशील नहएँ, कुछ दिन अग्गु मोरङ कि बुदान (मजदरकी श्रीमती) के बोक्सीक आरोपमे कुटपिट भओ घटना छापाके माध्यमसे बाहेर ओरहए । ऐसीकरके कैलाली की राधा चौधरी जे त पच्छुक घटना इकल्लो हए । जे सब गरिब परिवार होनके कारणसे ही उनके यातना दएगओ रहए । और छापामे नआए भए घटना त कित्तो हुइहएँ कित्तो ।

आज फिर कइयौ नारी बोक्सीके आरोपमे अपमानित हुइके जिन्दगी गुजाररही हएँ । कित्तो कुटिपिटि हएँ । कित्तोनके गाउँछोडनके बाध्य बनाइहएँ । कित्तोनके घरपरिवारके आदमी ही यातना दई हएँ । कित्तोनके

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, बुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्र.अ.
नन्दलाल राना

और

अध्यक्ष
भागीराम चौधरी

शिव आधारभूत विद्यालय
धनगढी उ.म.न.पा.-७, जखौर ताल, कैलाली

हत्या हुइगओ, कित्तो अपमानितको पिडा नसहिके आत्म हत्या करन बाध्य बनिहएँ । समाज भितर छापामे नआएभए घटनाके त लेखाजोखा तक नहए । आखिर कौन के बनातहए बोक्सी ? जो पढेलिखे नहएँ, जौन शिरउठाएके समाजमे बोलन नसिकनबालो । जौनके पक्षमे समाजमे बोलदेनबारो कोइनाहोत हए । जौनके साँझसबेरे एक छाकटारनके मुस्कील होतहए । जौनके न्यायके फाटक ढकढकान तक हिम्मत नहोतहए । ऐसे विचारे आदमीनके बोक्सी बनातहएँ ।

जेही प्रश्न उठत हए ? काहेके कोइ धनी परिवार कि महिला बोक्सी नाहोतहएँ । का हे खानदानी पुरूष बोक्सा नहोतहएँ । काहे पढीलिखि नारी बोक्सी नाहोतहएँ । होत बे बिचारी महिला जौनके मैले, फटे कपडा लगानबारी महिला । गरिबके कारण पेटभर खानानपाइके दुब्री पतरीनके इकल्लोनके औ बोक्सी ? कौन हए बोक्सी झारफुक करनबारो भर्रा ? संसारके सबय निति नियम त पुरूष विद्वान द्वारा बनातहए कहेसे बोक्सी मन्त्रके फुकनबारो कौन हए ?

यदि जो बे, बोक्सी आरोपी राधा या मसी`वी, अगर बोक्सी हुत्ती व बे बोक्सीक आरोपीमे कुटाईपिटाई खइती? का बे मारनवाले हातके रोक नपाइति कोक्सीक मन्त्रसे बे त दिसापिसाब हातके रोकसकत रहएँ । का हे गरिब हुइके बैठन और का हे बेइज्त सहन औरगारी खान कोइको मनहोबैगो र ? बे आत्माके कित्तो पिरातहूइहए, बे बोक्सी आरोपी मन कित्तो रोइहुहएँ ? बे आवाज सुननबारे कौन हुइहए ?
तहिकमारे कोइके फिर विना आधार बोक्सी या और नबनामएँ । संस्कार औ चालचलनके नाममे मनानबारो कुप्रथाके महत्व नदैके निर्भल समाज बनामएँ । राज्यक निती नियमके कठोर रूपमे लागुकरन और ऐसे कुप्रथाके विरूद्धमे बनेभए कानुन इकल्लो समाजके ताँहि पर्याप्त नहएँ । पिडित पक्षके न्याय देनबारे निकायक नितिस्पष्ट हुइदेन । स्वयम शिक्षित आदमी फिर ऐसे कुप्रथाके कट्टर पक्षधर हए कहेसे अर्धशिक्षित अर्ध अध्ययनशील और अर्ध ज्ञानसे समेटेभए आदमीनके सकरात्मक सोच आनमुस्कीलए हए । तहिमारे समाजसे ऐसो कु प्रथाके अन्तकरन मुस्किल होनसे हि बोक्सी प्रथाके उन्मुलन करन बहुत मुसकिल हुइरहोहए । देखावटी रूपमे कहुँसे विरोध भएसेफिर भितरसे सर्पोटतय होत आइरहो बात बाहेर आइरही हए । तहिकमारे कानुन इकल्लोसे समाजके कुप्रथाके अन्त नकरपएहएँ जबतक समाज भितरके ऐसे कुरीतिके ताहिँ सचेतनामूलक अभियान संचालन करन आवश्यक हए औ मनमे भओ बोक्सी भूत हटाइ सभ्य समाज निर्माण करन आवश्यक देखातहए ।

जा पत्रिकामे कुछ कमीकमजोरी होमए त सल्लाह, सुझाव, प्रतिक्रियाके ताहीँ और पत्रिका मागन ताहीँ तरे दए भए नम्बरमे जरूर फोन करियो ।

सम्पर्क : नन्दलाल राना - ९८४८४६३१७६
नरेश राना - ९८०६४४५६७२
पुनम राना - ९८२५६८८१०६
अनिता राना - ९८००६२७०१६

Email: ranatharuwa@gmail.com

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, बुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हियाँ नयाँ डिजाइनके लेडिज और जेन्सके फेन्सी लत्ता कपडाके संगए जुत्ता,चप्पल, श्रृङ्गारके सवय समान सस्तो मोलमे मिलत हए । एकदऔं जरुर सेवाको मौका दियो ।

प्रो. बलराम राना
मो.नं. : ९८०९४७११८८

निरूशा इम्पोरीयम
बलौरी न.पा., कञ्चनपुर

जीवनी स्व. नन्दलाल राना

स्व. नन्दलाल राना

✍ नन्दलाल राना
ध.उ.म.न.पा.-७,कैलाली

नन्दलाल रानाको जन्म वि.सं. २०११।४।११ गते कञ्चनपुर जिल्ला साविक देखतभुली गा.वि.स. वडा नं. ५ देखतभुली गावँमे भओ रहए । मृत्यु वि.सं.२०३७ जेठ महिनामे भओ रहए । उनको दादो सुखराम राना नतिया दौवा रामभरोसा राना ऐया रमोला देवी रानाके कोखसे पैदा भए रहएँ । १८ बर्षको उमेरमे बभनिया देवी राना सङ्ग अपनो सामाजिक संस्कारअनुसार व्यहा भओ रहए । दुई लौडक दौवा नन्दलाल राना बहुतए निडर रहएँ । साधारण और संयुक्त परिवारमे जन्मे नन्दलाल रानाके पाँच ददाभैया रहएँ । सबसे बडो अपनए नन्दलाल राना, मझला हरिलाल राना, सँझला देवसिंह राना, खँझला राजेससिंह और छोटो अजबसिंह राना रहएँ । पाँचए कक्कु बाउ रहएँ सबसे बडो लबरू रानाथारू (मन्त्री) रामभरोसा राना, फुलचन्द राना, नरपतसिंह राना और अमर सिंह राना ।

शिक्षा

पहिले स्कुल कलेज नारहएँ बो हिसाबसे स्व. नन्दलाल राना खासए पढे लिखे नारहएँ पर बहुत भाषाके ज्ञानी रहएँ । अँग्रेजी, हिन्दी, चौधरी, पंजाबी, नेपाली और रानाथारू आदि भाषामे बात करलेत रहएँ । जाके सङ्गए जादु फिर बहुत जानत रहएँ । एक दाअँ सपेरा(बेनुवाँ) भिख मागन आओ तओ जादुमे बे दुईकी लडाइ हुइगइ । पहिले सपेरा जादु फुँकके मारए पर नन्दलालके कछु नाकर पाबए तओ पालो नन्दलालको आओ, जब बेजादुफुँकके मारिँ त सफेरक मुहमे बेन अटकाए दइँ और एकघरिमे कहाँसे भौंर बुलाए दइँ बे सपेरक काटन लागिँ फिर बो हात जोडन लगो दादा रे तए जितो मए हारो ।

भतिजो देवसिंह राना काठमाडौंसे ल(बिध) पढके आए रहएँ । बे महेन्द्रनगरमे ल(बिध) फर्म खोले रहएँ । ल पढके आएभएनके फिर कानुनकी बात सिखात रहएँ स्व. नन्दलाल राना तहिकमारे प्रमाके रूपमे नपढोसे फिर लढो बहुत रहएँ । ?????

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, बुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्रो.
ज्ञानेन्द्र खनाल
गुरूकुल फेन्सी
धनगढी उ.म.न.पा.-७, मोतीचौक, कैलाली

राजनीतिमे

राजनीतिमे खुलके नालागे रहएँ पर बाउ लबरू रानाथारू मन्त्री भए बेरा सबए काममे सघात रहएँ । राजनीतिमे खटन पटनसे लैके सबए काम देखत रहएँ । बाउ लबरू रानाथारू राजा महेन्द्रसे नजिक रहएँ कहेसे कक्कु अमरसिंह राना नेपाली कांग्रेस निकट रहएँ । पर नन्दलाल राना कोइ पार्टीको फिर सदस्यता नलइँ रहएँ । वि.सं.२०३६ सालमे निरदल बहुदलको चुनावमे बहुदलको पक्षधर रहएँ ।

विरोध

स्व. नन्दलाल राना सामन्ती वर्गके बहुत विरोध करत रहएँ । काम कारबाहिसे पता लगत रहए कि सुदुरपश्चिमके बे दुसरे कम्युनिष्ट रहएँ । पहिलो कम्युनिष्ट भिमदत्त पन्तके मानत हएँ कहेसे दुसरो कम्युनिष्ट स्व.नन्दलाल राना रहएँ काहेकी काम करके खानबाले वर्गके पक्षमे बे हमेसा खडे रहएँ । औलो और मलेरियासे मुक्त तराई क्षेत्रमे धिरे धिरे पहाडसे पहाडीनकी बस्ती माइग्रेट हुइके आन शुरू भइ रहए । पहाडमे सामन्त वर्गमे हुर्के और राज्यसत्तामे पहुँच भएके कारणसे तराईके थरूवाके गिनतय कहाँ रहएँ । पहाडी रानाथरूवाकी जग्गा जमिन तमान बहानामे लुटखसुट करन लगे । कोइ थारू उनके अग्गु नमसकपामएँ तओ स्व.नन्दलाल राना बेहि सामन्ती वर्गके तह लगान ताहिँ काम करत रहएँ । उनके दौडाए दौडाए भजात रहएँ । ऐसि कलुवापुर गावँमे जगदेव भट्ट नावँको एक जिम्दार रहए । बो के जयदेव सुब्बा नावँसे जानत रहएँ । बो झुलाघाट भन्सार कार्यालयमे सुब्बा रहए गावँमे बोकि रवाफ बहुत रहए सामन्ती प्रवृतिको रहए । बक अग्गु कोइ नामसकपात रहएँ तओ रानाथारूनके उपर अन्याय भओ कहिके स्व.नन्दलाल राना नादेख सिको और बो जयदेव सुब्बाके टिकटर दौडाएके भजबाइ रहए । जयदेव सुब्बाको कोइ बस नचलो अब का करनपडो कहिके आसपासके सामन्ती लोगनसे बात करि अब जक ठिक लगान पडो कहिके मौकाके तलासमे रहए ।

मृत्यु

निर्दल बहुदलको चुनाव भर्खर निभटो रहए चुनाबमे निर्दलको विजय भओ । बेहे बेरा स्व.नन्दलाल देखतभुली गावँके सिरे बाँणीमे चौधरी थारू वन फँडानी करके बस्ती बैठत रहए । बिनके वनजाँच बहुत दुःख देमएँ बस्तीमे आगी लगाए जामएँ कबहि मुरगि चिँगनी उठाए लैजामएँ तओ बिनके साथ देनके ताहिँ स्व. नन्दलाल खडो भए । तबही पुरानी दिक्क निकारन ताहिँ सब सामन्ती वर्ग एक हुइके स्व. नन्दलालके ज्यानसे मरबाए देनके प्लान रचिँ और वन फँडानीको झुठो मुद्दा लगाएके केस बन्द करबाए देनपडो कहिके प्लान बनाएके एक दिन सबेरे वनजाँच, चन्दरिया वनजाँच और ..... के अगुवाइमे पुलिस और वनजाँच आएके घर घेर लइँ घरमे बैयर इकल्लि रहएँ । बेहे बखत स्व. नन्दलाल दर्पन देखके मोछ बनात रहएँ इकबरि चारौघेनसे पुलिस आएके घरभितरसे पकड लइँ घरमे ऐया और लहुरी दुई जनि महिला

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हिना नयाँ डिजाईनक कुर्ता,सुँट, विहाके कोट पाइन्ट सुफत मुल्यमे सिलाइ होत हए । जाके सँगए कुर्ता ,सुँट ,कोट पाइन्टके लत्ता फिर मिलत हए । सेवा करन मौका जरुर दियो ।

प्रो. रमेश राना
सम्पर्क नं. ९८१७६९९६८४

एलिसा टेलर्स
लालझाडी गाउँ पालिका-४, जाँइ

इकल्लि रहएँ छुडान पेति बिनकि छातीमे बन्दुकको कुन्दा लगामएँ, तहु फिर छुडानके बहुत कोसिस करिँ । पर बे महिला इकल्लि का करएँ छुडाए नापाइँ । स्व.नन्दलालके पकडके लैजान लगे घरसे थोरि दुर लैजाएके मुडमे उल्टा टकुला मारदइँ मारन पेति ऐया...को अवाज सुनन् पाइँ बादमे बक उइसिटँलगाएके लइगए । पच्छु शुक्लाफाँटासे हथिया मगाइँ और बिनके हथियाक पिठमे बाँधके बेहेक उपर बैठके महेन्द्रनगर लैगए, तमान देखनबाले प्रत्यक्ष दर्शी कहत रहएँ । बेहे बेरा बाउ लबरू रानाथारू भुमिसुधार मन्त्री रहएँ । तहु फिर मन्त्री अपनो परिवारको सदस्यके न्याय नादिबाएपाइँ । अस्पतालमे लैजाएके झुठको सहरा लैके वन फँडानी करनपेति हथिया मारदइ कहिके फाईल दबाए दइँ । लास जलानपेति देखिँ जिभ कटि और मर्दानि (लिङ्ग) कटो रहए । गावँमे हल्ला फैलाए दइँ कि हथिया मैसे गिरके मरगओ और वन फँडानीको अरोपमे सरकार पकडके लैजानपेति हाथिया मैसे कुदके भाजनबेरा गरिके मरिगौ बताइ । ऐसिकरके एक साधारण व्यक्तिके मारके समग्र थस्त्वनके दबानके निहुमे स्व. नन्दलाल रानाको मृत्यु वि.सं. २०३७ साल जेठ महिनामे भओ रहए ।

सालिक

वि.सं. २०४० सालमे श्री नन्दलाल माध्यमिक विद्यालय स्व. नन्दलाल रानाको नावँसे खुलि हए । पर वि.सं. २०६५ सालमे आएके सार्वजनिक ठाउँके व्यक्तिक नावँसे काहे जोडन पडो कहिके विरोध उठो रहए । अन्तमे श्री नन्द माध्यमिक विद्यालयके नावँमे सहमति भइ । राना थारू जातके नावँमे इत्नो बडो राजनीति चलाएके हेपि रहएँ तहु फिर थरूवा ददाभैया देखतए रहिगए । बेहेके कारणसे आज बाँणी गावँमे बैठन पाइँ आज बेहेक नावँमे इत्नो बडो राजनीति, बोके बदलामे स्व. नन्दलालके परिवारबाले का पाइँ ? वडा अध्यक्ष डम्मर विष्ट एक दाऔं घरपरिवारके लोग स्व. नन्दलालकि सालिक धरन कि बात कहिँ पर सालिक धरन ताहिँ जग्गा दानमे देन पडो कहि तओ घरके आदमि कहिँ जहे सारि जग्गक ताहिँ अपन ज्यानकि अहुति तक दइदैँ तहुँ एक सालिक धरन ताहिँ जग्गा नाहए बताइँ । तुमहर अपनो हुइतो तओ चौराहामे बडी सालिक बनबाए लेते कहिँ परिवारके आदमि ।

ब्यक्तिगत जिवन

छोटोसे स्व. नन्दलाल राना बहुत चलाँक और चलफराँक रहएँ । हिम्मत कि त दातदेन रहएँ कोइसे नडरात रहए । अपन जिन्दगीमे पैसा त नाकमापानइँ पर अपनाके करोरी मल्ल नन्दलाल राना कहिके अपन परिचय देत रहएँ । तिखि बद्विके न्यायनापानबाले गरिबकेपक्षमे मसकन बाले निडर व्यक्ति रहएँ । बक डरसे बडेबडे जिम्दार थरथर काँपत रहएँऔर आज बेह कारणसे बाणीगावँ बैठो गओ हए ।

शुभ-कामना

हिन्दुनको बडो तिउहार दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे हमर वडा वासी देश विदेशमे रहनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

वडा अध्यक्ष
बहादुर राना

और
लालझाडी गाउँपालिका
४ नं. वडा कार्यालय
लालझाडी-४, कञ्चनपुर

अगर आपन नुन खान छोडदे हएँ त का होबैगो ?

✍ जनक राज राना
धनगढी उ.म.न.पा.-३, चटकपुर

त मानसे बडे बडे डाक्टर काहत हएँ नुन जद्धा मत खाबौ करके । होन त आपन के पतय है , नुन जद्धा खानसे आपनकी शरीर के ताहीं हानीकारक हएँ, आपनकी हड्डी कमजोर करदेत हए । पर आपन बहुतसी बात ना जनत हएँ खासकरके नुन कहोक का हए ? जा आपनके कैसे नोक्सान करत हए ? और आपनकी शरीर के नुन कित्का मात्रा मे चाहनडटो हए? बहुत से प्रश्न की जवाफ अक्सर कमै मिलत हए । जैसी की अव आपन खानुमे नुन की मात्रा कम करदेहएँ त जाको अर्थ आपन नुन कम खानडटे हएँ । पर एक बात औ सच्ची हए की अगर आपन कछु फिर खानीया चीज कम नुन डरोभओ बाके एक दिनमे घरी घरी खामड़े तओ शरीर के ताहीं नुन की मात्रा कम त ना होबैगो नुन की मात्रा बढ़तै जाबैगो । खास करके नुन की मात्रा कमकरनो कहोक दिन भरको जोफिर सुबेरेसे साँझतक जो जो खात हए बोमे ठीक मात्राको नुन डारक खामड़ेत पता चलैगो आपनकी शरीर मे मात्रा कित्का गौ हए करके ।

कोई कोई आद्मी त नुन गजम हानिकारक होत है करके कहात हए । नुन खान पूरो बन्द करकदेत हएँ । का जा नुन खान पूरो बन्दै करदेन पडो ? या जा कि कुई और समाधान हएँ ? जे ऐसी बहुतसे प्रश्न की आज चर्चा होन जरूरी हएँ ।

होन त तमानसे आदमी के नुन की बारेम उतनो चासो ना हुईसकत हए । जा नुन कोई विषादी चिज ना हए, रोजदिन खानु (चख्ना) ने डारत हएँ । पर आजकालको खानपान और जीवनशैली को कारण से आदमी रोगी होतजारहे हएँ, तभिकमारे नुन के गजव संवेदनशील विषय भितर मानोजान डटो हए । अर्थात नुन कितका मात्रामे खामए जे ऐसी बातकी सवैके चासो धरन जरूरी हए । पहिले पहिले आपन के ढिक्का नुन कहिके मात्र पता रहए पर आजकाल त बहुत मेल मेल के नुन बजारमे आईगए हएँ । रङ्ग, स्वाद और गुणमे मेल मेलको नुन बजारमे मिलजात हएँ ।

नुन दुई तत्व मिलके बनत हए सोडियम और क्लोरीन तत्वसे । नुनके सोडियमक्लोराईड फिर कहात हए । आपनकी शरीर मे पानी को मात्रा नियन्त्रण करनतानी सोडियमकी गजब जरूरत हए । नुन सोडियमकी प्रमुख स्रोत हए । आपन की दिमाक से शरीरको जम्मै भागसम् खबर पुगान और आपन की शरीरकी बुट्टी के सक्रिय बनान सोडियम तत्वको बडो हात हए । सबै नुन मे पोषक तत्व फिर पाओजात हए अगर आपन ठीक सीमित मात्रामे नुन खामड़े तओ शरीरको स्वास्थ्य की तानी फाईदा फिर हए । पर सबसे अच्छो शरीरको स्वास्थ्य की फाईदाक तानी टेबल साल्ट (आयोडिन) नुन एकदम् उपयुक्त हए, काहे की जामे आयोडिन नामक तत्व सोडियम, पोटासियम, और म्यागनेसियम् पाओजात हए । तभीकरके जा टेबल साल्ट (नुन) आपन की शरीरको स्वास्थ्य की तानी एकदमै फाईदाजनक है ।

Web site : www.ranatharu.com
Youtube Channel : Ranatharu.com
Facebook Page : Ranatharu.com

रानाथारू समुदायसे जुडे हर घटना, समाचार, प्रतिभा लगायत कला संस्कृति देखन औ संरक्षणमे सहयोग करन ताहीं उपर दए भए साइट, पेज खोलन, सब्स्क्राइब और लाइक करन मत भुलियो ।

"लौडिया" एक संघर्ष जीवन

✍ पुष्पाञ्जली राना
लालझाडी -४, जाई, कञ्चनपुर

नारी औ पुरूष संसारमे सिर्प दुई जातके मात्र आदमी होतहएँ और दोनो एक दुसरेके विना न त जिपामंगे तर फिर लौडिया और लौडाको जीवनमे इतनो फरक काहे ? प्राकृतिक हए बो त ठिक हए तर आदमी तमान् जान्तय बुझत फिर फरक कर देत हएँ । लौडिया कहेसे एक नारी हए औ बहे नारीके विना न कोइ पुरूषको जनम होबैगो । लौडियक कहेसे संसारके अग्गु बढानम सबसे पहिलो हात होत हए । लौडियनको जीवन एक संघर्षसे भरो होत हए । जैसीकी लौडिया जनम लेतखिना संघर्षपुर्ण जीवन विताात हए । सबसे पहिले त जनम लेनयपेति लोग कहत हएँ, हत्तेरी लौडिया हुइगै अगर लौडाहोतो त मए खुशियालीमे बकरा मरतो पर लौडिया हुइगै, मए समान्य खुशियाली करंगो । बाके बाद जब लौडिया पढनबारी होतहए तओ बाके जौन स्कुलमे निशुल्क पढाई होतहए बहेम भराना करात हएँ । लौडिया अच्छेसे पढि तओ बाके पढात हएँ नत स्कुल छुटाएके बकरिया चुगानमे जीवन कटात हएँ । लौडनके जबरजस्ती महिँगी स्कुलमे भर्ना करके जैसी तइसी पढाएके छोडत हएँ ।

बाके बाद जब लौडिया कुछ जाननबारी होतहए तओ बाके व्याहा करके दुसरेक घर पठादेत हएँ । जन्म लै एक घर मरन होबए दुसरे घर ज कैसो अन्याय हए । जैसे लौडिया दुसरे घर जात तओ लौंडा काहे न जात दुसरे घर ? जे कारणसे फिर लौडियनको जीनको धिक्कार हए । और फिर बात हए जैसे लौडा अकेलो जहाँ फिर घुम सकत हए, लौडिया जब अकेली घुमंगी तओ ठुलियाबोली बहुत सुनन पडत हए । जैसे कि सामाजके आदमी बाके गलत नजरसे देखत हएँ । औ पुरूष कहनबारे लौंडा फिर उल्टा उल्टा सोचके बिनके संग गलत क्रियाकलाप करत हएँ । जे बात से मोए लागत हए लौंडीयनको जीवन बहुत कष्टको जीवन हए, काहे कि मएँ फिर एक लौडिया हओं । तहि मारे मोके जे बात कि ध्यान औ बहुत चिन्ता होत हए । पाठकवृन्द समस्या त और रहएँ पर जा लेखमे इतकए लिखके कलम बन्द करत हओं । *समाप्त*

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्रो.
धिरज राना

फोन
९८००६२६३९५

धिरज किराना पसल

धनगढी उ.म.न.पा.-१५, उर्मा, कैलाली

रानाथारू व्यहामे वैकल्पिक आधुनिकता
(Alternative Modernity)

✍ पुनम राना
कञ्चनपुर

समय परिवर्तनशिल होत हए, और आजको युग प्रविधि, नयाँ-नयाँ आविस्कार और विकासके तमानसी बातन् से विश्व विश्वव्यापिकरण कि घैन जाए रहो हए । समय के संगसंगए संस्कृति फिर बदल्त जात हए और ज सँस्कृतिको बहुत जरूरी पहिचान हए । लम्बो समय तक कोइ सँस्कृति के आदमी राहत हएँ तौ ज परम्परा बन जात हए । संसार विगतके समयसे बहुत परिवर्तन हुइगौ हए । नयाँ-नयाँ चिजको आविस्कार, नयाँ सोचको विकास और पहिलेसे अच्छो और नयाँ होनोसे आधुनिकता कहात हएँ । आधुनिकताको सिद्धान्तके अनुसार,

डोली/चण्डोली

पुरानो परम्परा अथवा सुरूवातसे अलग जाएके नयाँ चिजको अँविस्कार वा नयाँ चिज अपनानो होत हए । जबकि वैकल्पिक आधुनिकताको सिद्धान्त, जो कोलम्बिया विश्वविद्यालयकि प्रोफेसर, दिलिप प्रमेश्वर गवाल्कैर निकारी रहए, जाके अनुसार आदमी अपनी परम्परा के आधुनिक सँस्कृति के संग संग मानत होत हएँ । होन त ज सिद्धान्त साहित्यमे प्रयोग करो गओ रहए पर तुलनात्मक सँस्कृतिक अध्ययन (Comparative Cultural Studies) को एक आधारके रूपमे फिर लए सकत हएँ ।

राना थारू व्यहामे, ज एक्काइसौं शताब्दीमे देखो जाए तओ पहिलेसे तमान परिर्वतन आइगए हए । विकासके संग संगए व्यहामे करनकि तमान रासन नयाँ साधन और नयाँ तरिकासे फिर करो जाए रहो हए । एक तरफ हमरो समाज, मिडिया, स्रोत साधनको उपलब्धता जैसी चिजसे व्यहामे काफी परिवर्तन देखनके मिलत तओ दुसरी तरफ मुख्य परम्परा अभए फिर वेही हएँ । जैसी, पहिले मगनी होत रहए लेकिन बच्चामे और मागि व्यहाको चलन रहए, आजकाल फिर मगनी होत हए और अधिकतम प्रेम व्यहा फिर मागि व्यहा के रूपमे होत हए । आजकल फिर मजपतियाकी बडी भुमिका होतहए व्यहा की रसम मे । पहिले व्यहा से बहुत पहिले मगनी होत रहए और लौडा लौडियाकी अँगुठी (ring) पहिदनको चलन न रहए लेकिन आजकल, समाजको और कोइ समुदाय जैसि रानामे भि मगनी आधुनिक तरिकासे होन लागि हए । लौडा, लौडिया एकदोसरेके अँगुठी पहिदात हएँ पुरे आधुनिक पहिरनके साथ । मगनी तओ होत हए लेकिन एक नयाँ परम्परा के अनुसार ।

मगनी के काफी साल बाद व्यहा होत रहए पहिलेके समयमे आजकल ऐसो न हए मगनी के कुछ दिन बाद व्यहाको दिन रखजात हए । पहिले जैसो दुई बार व्यहा पुछन जानो, मछरी खबान जानो मिठाई खबान जानोसे बात भि एक दिन मे सब पुरो हुइजात रहए । लेकिन मछरी और मिठाई खबानको चलन अभए फिर नेपाल और भारतके रानामे हए, पर समयके अभावके कारनसे सब काम एकए दिन करके निभटाए देत हएँ । व्यहाको समयमे फिर परम्पराके अनुसार चुलि वैठानसे व्यहाको दिन शुरू होत हए आजकल । और व्यहाके एक दिन पहिले भुइयाँ पुजन जात हएँ, जो पहिलेसे चलीआइ परम्परा

हएँ। आजकल, टिभि सिरियल और वलिउड फिलिमके प्रभावसे व्यहाके एक दिन पहिले मेहदी, भारतमे संगित करके नाचगानके साथ मेहदी लगानकी सँस्कृति आइगइ हएँ, जो नेपालमे फिर हए। व्यहाके एक दिन डिजे आएजैहए, मेहन्दी लगात हए दुलहा, दुलहीनके और साथी संगी खुब डान्स करत हएँ। ऐसी व्यहाके दिन दुलहा अथवा दुल्हिनके हर्दि लगानको पुरानो चलन अभि फिर उतनो जरूरी हए । बहिनिया दुल्हाके हरदी लगाएके हँदवात हएँ और दुल्हिनकी भौजि दुल्हिनके हरदी लगाएके हँदवात हएँ । बाके बाद कोरे लत्ता पैंधात हएँ और निउतो डारन बैठादेत हएँ ।

बराइत निकरनके समयमे बैंड बाजाके साथ बरैतिया दुल्हिनके घरकि तरफ प्रस्थान होन कि तयारी करत हएँ। पहिले आधुनिक बैंड बाजा न होत रहएँ, कन्हारो नाचत रहएँ आजकल आधुनिक गीत बजाएके नाचत बराइत निकरत हएँ। पहिले दुल्हाके डोलिमे बैठारके दुल्हिनके घर तक लैजात रहएँ और बरैतिया लढियामे जात रहएँ, आजकल दुल्हा कारमे जातहएँ और डल्लफ कि जगहा बसको प्रयोग होत हएँ । कितनो जगहामे आजकल कुछ दुर तक दुल्हाके घरसे डोलिमे निकारत हएँ और फिर कारमे बैठा देत हएँ, ऐसि बैयर फिर घँगरिया, अँगियाके साथ हील वालि स्यान्डल, आधुनिक चुरिया, कानके बाला पैंधके बराइतमे नाचत होत हएँ। हिँया परम्पराके आधुनिकताके सँग बडा मजासे मनात भओ पऔ जातहए राना थारू व्यहामे। और दुल्हा कोट, पाइन्ट पैंधत हएँ तओ दुल्हिन साडि और लेहेंगा । व्यहा परम्परा अनुसार होतहएँ लेकिन पहिरनमे पुरो आधुनिकता मिलत हए। ऐसि बराइत लौटनके समय दुल्हिनके सँग ढाहैया जानको चलन भि अभए पऔ जातहए जो पहिलेसे चलो आऔ हए । और पहिले दुल्हिन व्यहाके तमान महिना तक मइके रहात रहए और दुसरो चलो मे ससुरार जएके रहे रहेए आजकल ऐसो चलन न हए, चलो होत हए लेकिन सिर्फ एक दुई दिनको। पहिले चलनमे दुल्हिनसे पाएँ लगबानको चलन अभए फिर हए, व्यहाके बाद दुल्हिन मइके जाएके दुसरे दिन ससुरार जातहए तओ साँझके घ्यू डारन और पाएँ लगबानको चलन अभए फिर राना थारू समाजमे पाऔ जात हए ।

ऐसि राना थारू के बहुत से सँस्कृतिमे आधुनिकताकी झलक दिखाइ देतहए तओ दुसरी तरफ बे अपनी परम्परामे चलत अभए फिर दिखाइ देत हएँ। अगर समयके सँग न चलपाए तओ हम जमानासे पिच्छु रहे जङ्गे । अपनी परम्पराकी पहिचानके आधुनिकताके साथ जोड्नो हि बैकल्पिक आधुनिकता हए । और आधुनिकता परम्पराको एक अभिन्न अंग हए जो आदमी जान के अथवा अनजानमे अपनात होत हए समयके माग अनुसार ।　　　धन्यवाद !

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

अध्यक्ष

चन्द्रकिरण राना

और

दाइजो कृषि सहकारी संस्था लिमिटेडट परिवार

धनगढी उ.म.न.पा.-७, देवरिया, कैलाली

उडचलो थारूवाट-२

✍ **भंगी भगत राना**
ध.उ.म.न.पा.-७, मनहेरा

एक गाँवमे कन्सा राजा रहए । कन्सा राजाहोरीमे लोगा बैयरके एकए संग खिचडि कुचबाइके खेलनके नियमलगाई रहए । कन्सा राजाकीजौन बात मानत रहएँबाके काको डर जौन बात नायमानत रहएचाहे जागाँव मे बैठओ चहुँ उठजाओ चहुँ उजड जाओ कन्सा राजा के डरके मारे चोरडाँकु पुल्सियाको डर नाएरहत रहएबो गाँवमे कन्सा राजाथोरी दिनके ताँहीअपने घर चलो जात रहए तओ गाँवबारे एक गढैयामे सोत रहएँ । चोर डाँकुके डरकेमारे कन्साराजाआएजाएगाँवमे तओ गाँवबारे चैन कीनीध सोत रहएँ ।

जहाँ तहाँके आदमी आइगए अब
थरूवा कहाँ जाएँ,
जैसे कि बस्ती जाधा भए से
चिरैयाँ घुरघुसला छोडके उडजात हएँ

जब धानबोनकी बेरा आबए तओ चाकर गाँव भर बुलाबएचलियो आज राजके खेतमे सहेल हए । राजाके खेतमे धानबोएके तओ अपने खेत मे धानबोत रहए । मालपोत कन्सा राजाबुझात रहए । कोई किसान खेती घर छोडके दुसरे गाँवमे जाएके बैठ जात रहए । तओ राजा गाँवबारे से कहत रहए । जा घर खाली पडो हएजामे दुसरे कीसान के लाबओ घर खेत खाली नाएछोडन पडो फिर गाँवके आदमीकिसान के लातरहएँ । गरिब किसानको भेष बनाइके लढीयामे चदरिया ओडके लेटजाए । सिपैया आबएकिसानके खुबधमकाबए । राजा भड्भडाएके उठपडए और डपटए कौनहए मुजीजाँठा । सीपैया बीचारे हाथजोडके हजुरओ माफ करओ फिर गेहुँ मसुर कि बेरा आबएफिर चाकर चिल्लाबएगाँव मे चलियो राजाके खेतमे गेहुँचनाबोनकी सहेल हएऔर राजाके संगीथरूवा रानाकारोअक्षर भैंस बराबर और गाँवमे नाएकहुँ स्कुल रहएँ । गाँवबारे थारूवा घर मे चुपएचुप पढत रहएँ । राजाजो करए सरकार के आदमी कुछ नाए करत रहएँ । एक बात से राजा ठिकए रहए । बाँकीआनबारे अंकमे

रानाथारूके माननबारे दिउता

१) बेंहणा बाबामहादेब
२) गलदेओ बाबा
३) मसानखम्म बाबा
४) श्री कृष्णकन्हैया बरत
५) दुर्गा भवानी
६) सकट संकटा बरत

संकटा मैया सकट बरत आजकल सब भुलभए सकट बरत माघ महिनाक अंधियारी (कृष्ण पक्ष) पहिलो इतवार अपने देबता अपनो धर्म छोड चले रानाथरूवा

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, बुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

व्यवस्थापक
नरेश राना
मो. ९८०६४४५६७२

अध्यक्ष
प्रवेश राना
मो. ९८१५६१०६५१

और

श्री जाई ग्रामिण बिद्युत सहकारी संस्था लि. परिवार
(DK. 17A)
लालझाडी गाउँपालिका-४, जाँई, कञ्चनपुर

जनमसे मरन तकको संस्कार

✍ डिल्लु राना
सांस्कृतिक प्रमुख
राना थारु युवा मंच उत्तरा खण्ड खटिमा

घडा (दीवारी)

राना थारु समुदाय २ दिन को घडा (दीवारी) एकार्तिक महीनामे दीपावली के दिन मे मनात हएँ । एक दिन छोटी रोटी और एक दिन बडी रोटी करके मनात हएँ । दुसरे जाती के लोग ११ दिन को मनातहएँ कहु पर १५ दिन को मनात हएँ ।

घडा (दीवारी) बारे दिन जो आदमी गुजर जात हए और अपने जीवन मे खान पान के आधार पर बाके मन के पकवान बनाए जात हए जैसे सोरा, वकरा, मुर्गा, मच्छी, अंडा, कतरा, मिसौला, गुलगुला, पुरी, दही, ढिस्सा फरा, भात, खजुरिया, भूजा, चना और जुन्ना भुजे भए जे पकवान खवाए जात हएँ । जा के आलवा जो आदमी दारु पीत हए वाके दारु चढत हएँ ।

आजकल आधुनिक युग मे रानाथारु एक दिन मे मनाए लेत हएँ । सबेरे छोटी रोटी और साँझ के बडी रोटी । आपन की परम्परा के अनुसार पुराने समय मे कार्तिक के महीना मे घडा (दीवारी) मनात रहएँ । पर अब कोई समयमे फिर घडा मनाए लेत हएँ । केवल दिन पकड के घडा मनात हएँ जैसे इतबार, बुद्ध और सनिचरके ।

जन्मसे लैके मरन तकके संस्कार :

राना थारु समुदायके संस्कार अपने आप मे अनोखो हए ।

जन्म :

रानाथारु पुराने समयमे जव बालक जलमत हए तओ बालकको पुरैन अर्थात गोडी कय दिनमे छुटाए देत हएँ ? कोई बालकको गोडी देर मे त कोई की जल्दी मे छूटत हए। ऐसे ६ दिन वाद सठी को आयोजना करत हएँ । लौंडा पैदा होत हएँ तओ लौडाक फूफा के बन्दूक और पटाका बजान ताँही आमंत्रण करत हएँ । साथ मे सगे सम्बन्धि और हित्तुवानातेदार के हटकना मे बुलात हएँ ।

दिखनौरी (मंगनी) :

रानाथारु की परम्परा के अनुसार पुराने समय मे बालक के ऐया, दौवाबालक जव पेट मे होत रहएँतभई बालका को रिश्ता कर देत रहएँ और कहत रहएँ की लौडा, लौडा होइगो तओ, दिलवर हुए जांगे, और लौडिया(लौडिया भई तओ संगन संगन हुइ जांगे और लौडा, लौडिया भए तओ मगनी करदेत रहएँ ।

मजपतिया :

रानाथारु समाज मे माजपतिया की अहम भुमिका हए । मजपतिया लौडा लौडिया के दिखाएके,

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, बुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्रो. निशादेवी राना
मो.नं. : ९८४८४७३९५२

अक्षय कन्स्ट्रक्सन प्रा.लि.
गोदावरी न.पा.-९, मुरकट्टी, कैलाली

जब एक दुसरे के पसंद कर लेत हएँ तऔदिखनौरी को दिन तय होत हए और दिखनौरी मे दारू, मुर्गा सोरा, मच्छी, बकरा, भात, नमकीन, चाय, विस्कुटको आदर करत हएँ और बकरा या सोरा की मुडिया मजपतिया के देत हएँ ।

बेहा को दौस बाँटन :

राना थारु बेहा को दौस बाटन तय करत पेती लौडा बारो लौडीयाकी घरे, सगुन की मच्छी और पक्की मिठाई भेली (गुण)और लटकौना (दारू)लै जात हएँ और भलमन्सा के सामने समध्यानो मिलत हएँ ।

ढार पैंचो :

रानाथारु मे अलना, चलना, डुरिया और चुरिया पैंधनको प्रचलन हए, ज लौडा को दौवा समधन के देत हए ।

ब्यहा संस्कार :

आमतौर मे रानाथारु समुदायको ब्यहा हिंदु रीतिरिवाजके अनुसार होत हए जैसे सर्वा मे दिया पजारत हएँ औरबाके आसपिस पांच फेरा सीधे और दुइ फेरा उल्टा लगात हएँ यानि की कुल सात फेरा लागत हएँ और विहा हुइ जात हएँ ।

कर्ष : कटारों

कर्ष से भिउरी फिरात हएँ ।

रानाथारु मे पुराने समयमे पंडित से ब्यहा न होत रहए,जाको ऐतिहासिक कारण रहए । जब मुगल हमर जयपुर किलामे आक्रमण कर दई रहएँ तओ किलामे जान की अनुमती केवल पंडित और पुरोहितनके रहए । जयपुर किला मुगल आसपाससे घेर लई रहए और वीर योद्धा युद्धके दौरान सब मारे गए रहएँ । जा की सूचना मुगलनके पंडित (पुरोहित) देत रहएँ । और बे किलाके कब्जामे लए लेत रहएँ ।. बा मे से बाह्र राना भाजके बच आए । राना प्रतापसंग तराईके भावरमे बैठगए और बहे दिनसे रानाथारुके कोई संस्कारमे पंडितंनके नाए बुलात हएँ ।केवल पूजा और कथामे बुलात हएँ ।

चालो (निन्हारो) :

जव दुल्हिनको पहिलो चालो (निन्हारो) मे लेनके जात हएँ, तओ पाँच आदमी जात हएँ ।

ऐसे राना थारु के ब्याह संस्कार सम्पन्न होत हए ।

दाह संस्कार :

पुराने समयमे मुर्दाके दफनाए देत रहएँ । वर्तमान समय मे आगी लगाए देत हएँ ।

वर्तमान समयमे उनके दफनात हएँ जो विमारीसे मरत हएँ साँप (कीरा)काट लेत हएँ या जयलो बालक की मौत हुइ जात हए उनके दफनाए देत हएँ ।

उपरोक्त घडा और दीवारी के बारेमे पहले लिख दओ हए । अगले सस्करणमे धर्म, तीज, तिउहार और सस्कृतिके बारे मए बतांगो

उम्मीद हएँ कि अपने ज्ञान के आधार पर छोटो सो लेख लिखो हए ।

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ नयाँ डिजाइनक लेडिज औ जेन्सके फेन्सी लत्ता कपडाके संगए जुत्ता,चप्पल सस्तो मोलमे मिलत हए ।

प्रो. भरत चौधरी
मो.नं. : ९८०९४६६०९९

भरत सपिङ सेन्टर

बलौरी -४, बेलौरी बजार, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ श्रृङ्गारके सबय समान सस्तो मोलमे मिलत हए औ व्याहाके गिप्ट बनान् के संगय नईदुलहिनके फिर समारत हएँ। एकदऔं जरुर सेवाक मौका दियो।

प्रो. रोजी राना
मो.नं. : ९८१०६६२९५६

रोजी ब्यूटिपार्लर

बलौरी -४, बेलौरी बजार, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. रमेश मगर
मो.नं. : ९८०६४३७१५५

सगरमाथा क्लिनिक
पु.न.पा.-६, आई.वि.आर.डि, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ साईकल कि सबय सामान पानके सड-सड्गए मर्मत फिर होत हए, एकदऔं जरुर सेवाको मौका दियो।

प्रो. होरीलाल चौधरी

हरिलाल साईकल, मोटरसाइकल मर्मत सेन्टर
ध.उ.म.न.पा.-१५, सुर्मीगाउँ, कैलाली

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्र.अ.
रामसहाय राना
और
शिवगंगा आधारभूत विद्यालय
धनगढी उ.म.न.पा.-१५, उर्मा, कैलाली

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ नयाँ डिजाइनके लेडिज औ जेन्सके फेन्सी लत्ता कपडाके संगए जुत्ता,चप्पल सस्तो मोलमे मिलत हए। एकदऔं जरुर सेवाको मौका दियो।

प्रो. अर्जुन पौडेल
मो.नं. : ९८१०७१९९९२

अर्जुन फेसन कलेक्शन
पु.न.पा.-६, आई.वि.आर.डि, कञ्चनपुर

झिं झिं, हन्ना नाचको शुरूवात कैसे भओ हए ?

✍ जानमति राना
बेलौरी न.पा.-५,भकुण्ड, कञ्चनपुर

झिं झिं हन्ना कहे से हमर रानाथारूको तिज पिच्छुक तिसरो साँस्कृतिक परम्परागतको नाच मानो जात हए । हमर पुर्खा झिं झिं, हन्ना नाच त बहुत खेली पर जा को कोई रहस्य नाए बताए पाई । जे नाच खेलत त हएँ, क को उपलक्ष्यमे खेलत रहएँ और जे नाचको निश्चित समय रहए । बरसात हल्क्यातए जे नाच करन के चालु करदेत रहएँ । क्वाँर महिनाको एक पाख (१५ दिन) उजियारी भर खेलत रहएँ । लौडिया आदमी झिं झिं त लौडा आदमी हन्ना खेलत रहएँ । नेपालमे कैलाली, कञ्चनपुर के जे दुई जिल्लामे आदिवासी के रूपमे बसोबास करतए आए हमर रानाथारू पुर्खन से पुछो बे कहीं कि ब समयमे कछु काम नाए रहि जात हए औ फुर्सदको समयक मारे मनोरञ्जन करलेत रहएँ कर के उनको जवाफ आओ । फिर जहे प्रसङ्गमे हमर परोसी देश भारतमे तमान से रानाथारू बसोबास करत आए हएँ । उनमैसे उद्यमसिंहनगर उत्तराखण्ड के जुझारू समाजसेवी डिल्लु राना जी से अनलाईन द्वारा हन्ना, झिं झिं के बारेमे बातचित भई, बे कहीं कि हम प्रकृति के पूजत हएँ और हमारे पुर्वज प्रकृति कि पूजा करत आए हएँ, जा एक परम्पारिक नाच हए । झिं झिं प्रकृति देवी के रूपमे जानी जात हए । जहे समयमे प्रकृति से दओ भओ नई रकम भितरियात हएँ । हमर गाउँकी सुख समृद्धि और सब ठीक से रहएँ जहेक मारे प्रकृति देवीकी पूजा करत हएँ । जहेक उपलक्ष्यमे हम खुशीयाली मनात हएँ ।

अपने गाउँमे छोटेसे हमौ झिं झिं नाच खेलत आए हएँ । साँझके खानु खाएके गाउँ भरेक सब लौडिया मिलके एक मलैया खरिदके बाके आसपिस भार खोलके एकदम चलनी जैसो बनाएके भितरसे एक सर्बा पजारके धरदेत हएँ । मुडमे झिं झिं धरके घर-घर कारी रातमे जुगनी तरह चम्कत एक घैन से जुगनी चम्कती त एक घैन से झिं झिं खुबए सुहात रहए । बहे समय होत हए बाग से घरमे भुन्टा भितरियानको घर-घरके सब जनी अपनी (अपनी आँगनमे बैठके भुन्टा नुकात समयमे झिं झिं खेलत पहुच जात हएँ । तमान से चामर त तमानसे भुन्टा को दक्षिणा दैके अपनी डेहरी छुटात हएँ । काहेकी बो समय भुन्टाको होत हए । ऐसिए गाउँके सबए लौडा मिलके एक लौडक छाँटके हर्ना बनात बाँकी लौडा आसपिस ठाडक गीत गाएके हर्नाके नचबात हएँ । झिं झिं, हन्ना नाच के पुरे दिन हुईजात तओ पन्द्रौ दिनकी रातभर ढिस्सा, फरा, दार, भात शाकाहारी परिकार बनात औ भोर होतए सब लौडिया झिं झिं लैके नदिया मे जात हएँ । पहिलो दिन जौन लौडिया झिं झिं नाचके शुरूवात करत हए बहेक झिं झिं सहित डुब्कनी लिबात हएँ । झिं झिं पानी मे छोडके सब जनी बाहिर आएके बहे बनाओ भओ ढिस्सा, फराको प्रसाद ग्रहण करत हएँ और घरे आएके जो रातभर बनाओ भओ पकवान्को भण्डारा खाए खबाएके अपने (अपने घर चले जात हएँ ।

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो.
रामसिंह चौधरी

फोन
९८४८४४२७३३

सहारा मेडिकल
धनगढी उ.म.न.पा.-७, मोतीचौक, कैलाली

ऐया और बाबा

✍ सुबिना राना
ध.उ.म.न.पा.-८, कैलाली

बाबा तुम दुनियाके सबसे महान आद्मी
मय कमजोर भौ बखत तुम बनत मिर शक्ति ॥

बाबा तुमही पालत हौ परिवार
अपनेसे जाधा करत हौ हमर देखबिचार ॥

अईया जन्म दई है बाबा बनाई है हमर करम
अईया बाबा कि सेवा करन है बच्चनकी धरम ॥

मिर बाबा की दुलार है अपार
हिरा मोती सोनो चाँदी अईया बाबा कि बिना है बेकार ॥

अईया तिर हाँत पकडके रोज नेगन पामऔँ
मिर मनकी सब खुसी तुमहर शरण मे पामऔँ ॥

जा कैसो चलन?

✍ रामलाल राना
धनगढी उ.म.न.पा.-११, घोडसुवा

सुनौ सनौ ददा भैया, सुनौ दिदी बहिनियाँ ।
ध्यान धरके सुनौ सब, आजकालकी कहानियाँ ॥

आजकालके लौडिया लौडा, पढन ना बिनकी ध्यान ।
जहाँ बाजो डि.जे. बाजा, हुवाँ बिनकी ज्यान ॥

उमेर बिनकी १० ना पुगी, लगाइँ पाउडर लाली ।
भाजभुजके व्यहा करलैं, आनौना दैं पाली ॥

बडीबडी गाडी खरिदक लौडा बने हिरो ।
बात मारएँ लम्बी लम्बी, पढनमे बे जिरो ॥

दिखानमे बो ढेंगो ढेंगो, हय बहुत लटो ।
पैंधे पडे नयाँ सट, बिच बिचमे फटो ॥

पैसा बाके एकु नाए, तिरन स्कूल फिस् ।
महेंगी मोबाइल किनके, कहाए हेल्लो मिस् ॥

सुर्ती, बिडीक बातय छोडौ, खेलैं जुवातास् ।
स्कूल पढाई छोड्के, करलैं सबकुछ नास ॥

बिस ना पुगो ब्यहा करलैं, काम करनमें सरम् ।
पाछु बो पछताए कहाए, मेरो फुटो करम् ॥

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्रो.
छोटेलाल राना
टि.एस.के. राना ट्रेडर्स
धनगढी उ.म.न.पा.-८, क्याम्पस रोड, कैलाली

१ ब्यहागरो

✍ पुनम राना
धनगढी उ.म.न.पा.-१३, कैलाली

जब रात होत हए,

✍ जया राना
पु.न.पा.-१, ढक्का, कञ्चनपुर

आग लागैरे तेरे गोरे-गोरे तनमे, याद करौ रे कछु बेहि दिनकी मनमे - २
१ - अरे बनिया है ब्यपारू, (टाँगो लादेभारी रे) - २
हरे अच्छी पूँजी जुवारी खेलएँ एकदिन बसेगो जङ्गलमे
२ - जनम-जनम तक माता रोबए, (बहिनी रोबए पखमास) - २
हरे तीन दिनातक तिरिया रोबए, फिर दुहाए घर मास

मानुषा देहरे बन्दे अवना मिलैगी तोके - २
१ - मुसालमान हुईके ज्याज जो बाँधए, (और कुम्भी नरकमे जैहए) - २
ब्राह्मण हुइके हर जो जोतए, पाप गठरिया बाके शिरधारी जाबए
२ - छोटी रे मोटी एक धुनी रे जलाइ, (लङ्गी पीठ तापत हए) - २
उची रे निची एक खम्बा गडाई, बहे मे बाकी हानी रे पिरानी
३ - जहाँ री घर मे जहाँ जित्तो होबए पाप जिते वाजु हरए
अरे हाँरे उन श्वामी के सिमरन करिय वेही लगए हएँ बेरा पार मानुसा देह.....

जब रात होत हए,
तुम्हर याद आनकि शुरूवात होत हए,
तुम्हर याद दिलसे लगात हौं,
पागल दिल, मिर हात पकडके तुम्हर ठिन लैजात होत हए,
जब रात होत हए.....

मिर दिल मोसे जिन का का कहत हए,
जाके मए सम्झाइ न पात हौं,
रूठो दिलके सम्झान ताहिं,
रात दिन तुम्हर बारेमे बात होत हए,
जब रात होत हए.....

एक न एक दिन गौसए तुम,
मोसे मिलनके जरूर आइयो,
बिचारो जा मिर छोटोसो दिल,
तुम्हर आनिया डगर फुलानसे सजात होत हए,
जब रात होत हए.....

बेढम सुथरे दिखात हओ तुम,
स्वर्गकि अप्सरा, चेहेराको रङ्ग चुराए न लेमए कोइ,
तुम के नजर लगा देहएँ करके,
मिर दिल तुम्हर चेहेरा काजलमे लुकात होत हए,
जब रात होत हए.....

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हिना नयाँ डिजाईनक कुर्ता,सुँट, विहाके कोट पाइन्ट सुफत मुल्यमे सिलाइ होत हए। जाके सँगए कुर्ता ,सुँट ,कोट पाइन्टके लत्ता फिर मिलत हए। सेवा करन मौका जरुर दियो।

प्रो. दयाराम राना
सम्पर्क नं. ९८०५७५९२२१

डि. आर. फेन्सी टेलर्स
लालझाडी गाउँ पालिका-४, जाँइ, कञ्चनपुर

मोके याद हए

✍ सिजन राना
भिमदत्त न.पा.-१८, जानकिटोल

जब मए गर्भमे रहओं ऐया देखि रहए मेरो भविष्यको सपनो
ऐयाको कोखसे मए जन्मो बहे सपनोके बनान विपनो ॥
मोके याद हए वे दिन जब चार बर्षको रहओ मए ।
बे कलिले हातमे कलम पकडके
कंधामे झोला बोकके तयार होत रहओ विद्यालय जानके ।
मनके इच्छा और उत्सुकता लइके
विद्यालयसे कुछ सिखनके ॥
मोके याद हए वे दिन,
जब भैया और मए रहएँ लडत
एक टेलिभिजनको रिमोटक ताँहि ।
पर आज,
हम बडे हुइगए हएँ संगए बैठके करत हए सल्लाह
इकल्लो पढन और आगु बढनके ताँहि ॥
मोके याद हए बे प्रश्न
जौन शिक्षक पुछत रहएँ मोसे
तए का बनैगो भविष्यमे
मएँ हँसके कहत रहओं
मोके याद हए
वे मिर दौवाके कहिँ
करन पडत हए अच्छो कर्म ।
मेरो फिर हए एक सपनो चिकित्सक बनके करन सहयोग,
पुण्य औ धर्म ॥
आज मए हियाँ तक महुँचो हौं
अपनो ऐया दौवाको परिश्रम और
अपनो मेहनतसे आगु बढो हौं
जासे जाधा करन हए मेहनत आगु बढनके ताँहि
अपनो ऐया दौवाको गर्वसे छाती चौडो शिर उचौं करनके
ताँहि ॥

देवौ दुवा

✍ चेतराज राना
धनगढी उ.म.न.पा.-११, घोडसुवा

देवओ दुवा दिल से दुःख दुर के ताँहि ।
देवओ दुवा दुःसरे के दोस्ती बढान के ताँहि ॥

देवओ दुवा दुल्हा दुल्ही के दम्पति बनन के ताँही ।
देवओ दुवा हकदारनके देश कि छोरो खोलन के ताँही ॥

देवओ दुवा दादो दादिन के दिन बढान के ताँही ।
देवओ दुवा सुस्मनके दयालु बनन के ताँही ॥

दिदी ललोने दिया दियालो से दसनखा बेरत के ताँही ।
देवओ दुवा दिदी ललोन के दिरूनौरी दुर के ताँही ॥

देवओ दुवा दिन दुखी के दरिद्र दुर के ताँही ।
देवओ दुवा दुनिया दलेबर के दुनिया बदलन के ताँही ॥

देवओ दुवा दुई हात से दारू दुर के ताँही ।
देवओ देवा प्रदेश सरकारके दरवार बनान के ताँही ॥

देवओ दुवा दायित्व से अधिकार पान के ताँही ।
देवओ दुवा देवी देवता से दशा दुर के ताँही ॥

देवओ दुवा दिलत ख्तनशिन से दिल शिकस्त के ताँही ।
देवओ दुवा दोनौ थारून के दश गज अगारू बढानके ताँही ॥

अपन कोई फिर लेख रचना गित, गजल, कहानी, सुझाव पठान ताहीं सहयोगको आसरा करत तरएको ठिहामा पठान अनुरोध करत हएँ ।

Email: ranatharuwa@gmail.com
Facebook Page : http://ranatharu.com/
Contact : 9848463176, 9814620010
9811683101, 9848407188

नेपाल

✍ कीर्तिका राना
लालझाडी-४, डाङ्गाजाई कञ्चनपुर

आहा कित्तो अच्छो देश
नाउँ है जा को नेपाल,
जलस्रोतको दुसरो धनी
गजब हएँ हियाँ हिमाल ।

अगारको सिमाना मेची हए त
पछारको हए महाकाली,
नेपाल की जमिनमे जल्मे हएँ
सब आपन हुइगए नेपाली ।

गोर्खाली सेना और खुक्कुरी
बढात हएँ नेपालकी शान,
नेपाली वीरता और साहसकी
संसारमे हए अलग पहिचान ।

चार वर्ण छत्तीस जातकी
साझा हए जा फूलबारी,
भाषा, धर्म, संस्कृति और
भेषभुषा हए हियाँ थरीथरी ।

अरनिको, सीता और वीरके सङ्गए
हियाँ जन्मी रहए हरितितारा,
नेपालको नाउँ और मान सम्मान्
फैलाएदैं संसारसारा ।
गौतम बुद्धके सब चिनत हएँ
कहत हएँ एसियक तारा,
नेपाल देश वीरको देश
जहे हए कमारो नारा ।

मेरो नेपाल हमरो नेपाल
सुन्दर शान्त नेपाल,
नेपाली होनमे गर्व करएँ
जय-जय, जय-जय नेपाल ।

सामनकी गीत

✍ लक्ष्मी राना
ध.उ.म.न.पा.-१३, राजपुर, कैलाली

सुनरी जासोधा मैया बारो हय कान्हा रे
- गाँव पिछा बारे कुनाक मेरो भइया रे
हरे हारे बेता कटामौ रे -२

हारेहारे बेताको डलबा विनाय
लैके विराना घारा जामौरे
गाव पिछा .....
- उठहुँ न भौजी मेरी अंगा मिलाना कय रे
दुरदिशाकी पाहुनी नानादी
अंगा मिलाना नानादी कैसेके उठओ रे
गोदा नालाला भवो हय रे
गावँ पिछा.....
- उठहुँ न भौजी मेरी विछना डारानाकय रे
दुरदिशाकी नानादी पहुनी
तुमरो ता दादुल नानादी गोंदी ना काटि रे विछना
काहेको विछामाओ रे
गावँ पिछा.....
- उठहुँ ना भौजी पानीया भरानाकय रे
दुरदिशाकी पहुनी नानादी
पनिया भाराना नानादी कैसे के जमौरे
तुमरो ता दादुल रासरी न भागी रे
गाउँ पिछा.....
- उठहुँ न भौजी मेरि भुजनो सिजानाकय रे
दुरदिशाकी पहुनी नानादी
तुमहरो त दादुल नानादी धानाय न बोइ रे
भुजनो काहेको सिजामाओ रे
गाउँ पिछा.....
- उठहुँ न भौजी मेरि सिजिया विछानाकाय रे
दुरदिशाकी पहुनी नानादी
तुमरो त दादुल नानादी गद्दाय ना लाई रे
सिजिया काहेको विछामाओ रे
गाउँ पिछा.....
- जितेना आएहौ मायता, जितेना आयहौ रे
सपनेमे नाहि दिखायहाओ रे
चिणिया जो होतो रे बघुमाण रहितो रे
भइया भतिजे देखि जातो रे

अपन कोई फिर लेख रचना गित, गजल, कहानी, सुझाव पठान ताहीं सहयोगको आसरा करत तरएको ठिहामा पठान अनुरोध करत हएँ ।

Email: ranatharuwa@gmail.com
Facebook Page : http://ranatharu.com/
Contact : 9848463176, 9814620010
9811683101, 9848407188

हमर संस्कृति हमर पहिचान

✍ सुमित्रा राना
बेलौरी न.पा.-२, गोकुलपुर, कञ्चनपुर

हमर संस्कृति हमर पहिचान
तिज तिउहार होरी दिवारी
जे सब हमर पहिचान
इनके लेमए हम जिम्मेवारी

वर्षौकी पुरानी इतिहास हमारी
पुर्खा शासनके जिम्दार
ऐसो प्यारो देशभेष हमारो
हए निशान हमारो ढालकटार और तलबार

वर्षौ पुरानी इतिहास बचामय
रानाथारू हम अपनी सान बढामय
अपनी संस्कृति अपनी पहचान रखामय
निरभ्फल समाज बनामय

होरी दिवारी चलोआव हमर चलन चल्तीसे
जेही से झल्कत हय सब हमर पहिचान
पुर्खनकी हम सान बचामए भुलएँन गल्तिसे
अपनी सस्कृतिके करएँ सब आदर और सम्मान

गजल

✍ पुनम राना
ध.उ.म.न.पा.-१३,कैलाली

भुल हुइगौ जानजान के , बिस्वास करडारे सारा दुनिया के
लेकिन का करय नुक्सान त है बो होनय के ॥

वाचा कसम खबात है बे काहेके
और सौर देत है बो भगवान के॥

जब जरूरत पडत है बे ढोगत है सर झुकाएक
अपनी त दुख कौन देखदेबै डुकत फिरत है बे सर लुकएके॥

बाढ नदिया हल्कोरा लेत नेगत बो नदिया
आज शान्त हुइगैइ भुलगैइ अपनी मन्जिल्के॥

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्र.अ.
हरिशप्रसाद ओझा
और
श्री त्रिभुवन माध्यामिक विद्यालय
रतनपुर बेलौरी-९,कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

शाखा प्रमुख
देविसिह साउँद

प्राईम लाईफ इन्सुरेन्स प्रा.लि.
बेलौरी उपशाखा, कञ्चनपुर

चुट्किला

✍ **रामशरण राना**
ध.उ.म.न.पा.-१३, राजपुर, कैलाली

एक गाँवमे दुई ददा भईया रहएँ । एक दिन आँधि आई तओ बे कठिया करन गए ।

ददा भइयासे कहात हए कठिया उच्बादे । भईया कहात हए तओ मिर कठिया कौन उच्बाए हए ददा ?

तओ थोरी देरमे एक बाघटा हुना आओ ।

ददा बघटासे कहात हए कठिया उच्बादे रे भईया तओ साँझके ५ बजे मिर घर रोटी खान आजाइए ।

बघटा आनकी समय हुइगौ...

हिना भईया पकाबए ददा खाबए और ददा पकाबए भईया खाबए । फिर काँही कहाँ लुकए कहाँ लुकए । कोनेमे लुकएँकी ढेहरीमे लुकएँ, हुनापरेन् एक उटीया रहए और हुना परेन् एक लौका फिर टँगो रहए तओ ददा भईया बह्मे लुकगए ।

भईया ददा से कहि मिर पदास लागि हए । तओ ददा कहि धिरे-धिरे पदिए तओ फिर ददा कहि भईया मिर फिर पदास लागत हए । तओ भईया कहि तहुँ धिरे धिरे से पदिए ददा । पर ददा इत्तो जोडसे पादत बो लौका फुटो बाघटा डरके मारे गौसक पादमारी

उनकी यादमे

✍ **कमल राना**
कृष्णपुर नगरपालिका, कलुवापुर,कञ्चनपुर

अपन दिलकी कलम मसि जैसो किताबमे गिरान चाहत हओ ।
हाँ नसिलि तुम्हर नजरकि यादमे कुछ लिखन चाहत हओ ॥

लेखक त न हौं मए फिर भि लिखन लगो हओ ।
कैसे कहाऔं मए सपनामे देखन लगो हओ ॥

कहाँ जाऔं कितए जाऔं तुम्हर याद छोडके ।
और त और हुईगए तुम्ही हौ खास मेरी ॥

जब देखत तुम्हए अपन जौने मए कछु न कहिपात हओ ।
कदम-कदम मिलाएके तुम्हर सँग नेगन चाहत हओ ॥

सोनए न देत हए मोए आइरहत हए तुम्हरी याद, ।
एक दाँव हाँ कहिदेव कभि न छोडङ्गो तुम्हर साथ ॥

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. राजन चौधरी
मो.नं. : ९८१२७०१३१८

विनिता फोटो स्टुडियो एण्ड मोबाईल ग्यालरी
बेलडाडी गा.पा.-२, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. खडक बहादुर राना
मो.नं. : ९८०५७६०१२९

न्यू जोन टेलर्स एण्ड तयारी पोसाक
बलौरी -६, बेलौरी बजार, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हिना उन्नत जातक विरुवा, फुलाके पेड , फलफुल के बोट मिलत हएँ हए। जाके सँगए ३ वर्षक ग्यारेन्टी के संग होम डेलिभरीक सुविधा हए। सेवा करन मौका जरुर दियो।

प्रो. दयाराम राना
मो.नं. : ९८६५८६७०४६

राना कृषि तथा वन नर्सरी उद्योग
लालझाडी गाउँ पालिका-४, जाँइ, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको बडो तिउहार दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे हमर वडा वासी देश विदेशमे रहनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

वडा अध्यक्ष
नन्दराज अवस्थी
और
लालझाडी गाउँपालिका
५ नं. वडा कार्यालय
लालझाडी-५, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हिना सबय ब्राण्डकी मोबाईल पानकी सङ-सङ्गए मर्मत फिर होत हए। एक दऔ सेवा करन मौका जरुर दियो।

प्रो. श्याम राना
मो.नं. : ९८१२७६२१७८

D & A मोबाईल रिपेयर एण्ड इलेक्ट्रीकल
पु.न.पा.-८, प्रगती बजार, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. नितु राना
मो.नं. : ९८२४६३७२७४

नितु क्लिनिक
पु.न.पा.-८, प्रगती बजार, कञ्चनपुर

सिना गुथना

✍ सस्वती राना
ध.उ.म.न.पा.-७, देवरिया, कैलाली

परिचय

घँ घरिया और अँगिया एक रानाथारू जातकी साँस्कृतिक पहिराऊ कपडा हए । जा पहिरन हमर पुर्खानको पालासे पैँधातए आए रहे हएँ । रानाथारूनको केवल भाषा इकल्लो नहए की राना जातकी अस्तित्व बचानके ताँहि हमर राना जातकी पहिरन घँघरिया अँगिया फिर एक महत्वपुर्ण माध्यम हए । घँघरिया और अँगिया राना जातकी एक विशेष और परामपरागत पोसाक हए । जासे राना जातकी पहिचान होत हए । घँघरियासे रानाको चालचलन, रीतिरिवाज, साँस्कृति झल्कत हए । राना जातकी जीवनशैली और घँघरियाके बीच गजब गहिरो सम्बन्ध हए । जैसीकी तीज त्युहार, मेला महोत्सव, सभा समारोह, मगनि ब्यहा, चाडपर्व मे खास करके घँघरिया और अँगिया पैँधो जात हए । घँघरिया और अँगियाकेसँग और बहुत पहिरन होत हए । घँघरिया समाजके ताँहि बहुत सम्मानकी आवश्यकता पडत हए । घँघरिया गँधना, तुली, पक्को गँधना और चार खाना चार मेलकी घँघरिया होत हए ।

अंगिया और घंघरिया

महत्व

नेपाल एक फुलबारी हए जहाँ तरहतरहके फूला फुल रहे हएँ । बे फूला मैसे रानाथारू समुदाय एक बहुतए सुथरो फुला हए । नेपालक कैलाली और कञ्चनपुर दुई जिल्लाके कछु गाउँमे रानाथारू समुदायकी बस्ती हए । नेपालकी कैलाली मे ३५ और कञ्चनपुरमे ९६ गाउँमे रानाथारू बैठत हएँ । जे सबय राना दादी, बाई, काकि, माई, फुवा, भाउजी, दिदि बहिनिया सबए नाता पडन बाली रानाथारू जातकि महिला जा पहिराउके पैँधत आए हएँ । रानाथारू सामुदायमे घँघरिया अँगिया नपैध हएँ कहेसे बे रानाथारू हएँ कहिके फिर बिनकी पहिचान हरात जबैगो । जैसीकी विश्वमे डाइनोसर कहनबालो जनावरकी शरीर जीवितकी सट्टा केवल हाड्डी इकल्लो मिलत हए । आइसिए रानाथारू आदिवासी अथवा रानाथारू जातकी महिला अपन पहिराउके छोडके दुसरेनकी पहिराउके पहिरङ्गे कहेसे रानाथारूको पहिचान और पहिरन लोप होन अवस्थामे

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हियाँ दूध, दहि, घ्यू, खोया, लस्सी, पनिर, आईस्किम, पुष्टकारीके सँगए अर्डर अनुसार मिठाई और वर्थडे केक तयार करत हएँ । सँगए नास्ताको व्यवस्था फिर हए ।

प्रो. प्रवेश राना
मो.नं. : ९८०१३६४४५२

शिवा भैसिपालन तथा डेरि उद्योग
भिमदत्त-३, भासी, कञ्चनपुर

फिर पुगन देर नलगहए । आईसो नहोन देनके ताँहि हम सबय रानाथारू समुदायके आदमी मिलके जाको संरक्षण और सम्भार करन पडहए । हमर देशके सबए रानाथारू जातके मनैनके जागरूक हुईके अपन पहिरनके नयाँ तरिकासे कैसे जाके परिमार्जित करन सकत हएँ और आनबालो पुस्ताके सबए युवानके जाकी बारेमे कैसे जानकारी, ज्ञान और सीप देन सकत हएँ कहिके सोच (रणनीति) बनान पड हए । घँघरिया अँगियाके बिना हमर पूर्खा और कोई कपडा नपैंधत रहएँ । हमर दादो, आजोकी पालामे त मगनीमे बैनाकी सँग-सँगै घँघरिया, अँगिया, उनिया लगायत तमानसे पहिराऊ लत्ता, कपडा और गहना फिर देत रहएँ । जा हमर संस्कार और रीतिरिवाज रहए । हमर पुर्खा हमर ताँहि एक धरोहर छोड्के गए हएँ । जा हमर सबसे प्यारो और दुलारो पहिचान पहिराऊ हए ।

बनानकी तरिका

घँघरिया सिलनसे पहिले गोटके सिलो जात हए । गोटके ताँहि सबसे पहिले गिडासी जोरत हएँ, टिकुली धरत हएँ, कसिदा भरत हएँ और फिरके सब जे तयार हुइजात हएँ तओ मग्जि धरके जोरत हएँ । जब मग्जि धरके जुर्जात हए तओ दिग्बन्दा सिलत हएँ (गोटकी साइड-साइडमे) होत हए । और जे सब सिल्के जिभा (घँघरिया चप्टात पेती हरो रङ्गको कपडा) जोरो जात हए । ताकी गोटके घँघरियामे चप्टत पेती सजिलो होबए । अब गोट तयार हुई जात हए । अब जामे सजात हएँ । सजाएके गोट तयार करके तओ फिर घँघरिया सिलो जात हए । सबसे पहिले घुट्टा, मग्जी काटके तयार करत हएँ । घुट्टा, मग्जी और सबाईया एकैमे जोरत हएँ । तओ फिर तोइ सिलत हएँ सन्जाम (हरियो) धरके । आईसि करके घँघरियाको तल्लो भाग सिल्के घँघरिया तुर्पत हएँ । घँघरिया तुर्पके कन्चट लगात हएँ । कन्चट लगाएके घँघरियामे कत्रा परात हएँ । अब घँघरिया तयार हुइगै अब गोट घँघरियामे चप्टत हएँ । घँघरिया चपटके घँघरियामे घुँघरि पर हए । घुँघरी परके धोई हएँ । धोएके सुखाएके स्त्री लगए हएँ ताकि कत्रा बैठजाबए अच्छेसे । और फिर घँघरिया सिलके तयार हुईजात हए । अब चाहुँजब पैंधन सकत हएँ । अँगिया सिलन ताँहि सबसे पहिले टिकुली बनात हएँ । टिकुली बनाएके माडना सिलत हएँ । और फिर पछुवा, जोकी, कखौटि दुने पार हात धैना लगात हएँ । तओ फिर छाती बनात हएँ । छाती बनाएके गाड्त हए दुने हात धैना । गाड्के झालर सिलत हएँ तरे और उपर घैंट धैना । और फिर अँगिया सिलके तयार हुईजात हए । अँगिया सिलके तओ फिर सजात हएँ ।

गोटके ताँहि १२ मिलके तुलपेरा कपडा १।१ निलर चाहत हए । अरसी २५।३० सम्मा चाहत हए । फुल्बा १।१ लक्ष्मी सबै मेलके चहात हए । मोती किन्ढी १।१ प्याकेट सम्म चाहत हए । गीटके इकल्लो सजानके ताहिँ । आईसिए अँगिया सजानके ताहिँ फिर जेही चीज चाहत हए ।

रानाथारूनकी एक आकर्षक पहिराऊ घँघरिया हए । रानाथारूके सबए दिदी, बहिनिया जा पहिराउके पैंधतए आई हएँ । और हमेशा पैंधाए तभी इकल्लो हमर रानाथारूकी पहिचान विश्वमे चिनान सकङ्गे ।

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हिना सबय मिलकी बिऊबिजन मिलनके सङ-सङ्गए किटनाशक औषधी फिर मिलत हए । एक दऔं सेवा करन मौका जरुर दियो ।

प्रो. रविलाल चौधरी
मो.नं. : ९८०६४५८३२८

सिमा एग्रोभेट सेन्टर

बेल्डाडी-१, कञ्चनपुर

बघटा और भैंसिया

✍ किसन राना
ध.उ.म.न.पा.-७, देवहरिया

एक दिनकी बात रहए एक भैसिया चर्हा चुगत-चुगत कब खिन जिन वनमे चली गई बहेके पता न रहए । साँझ होन लागी रहए, बोके घर आनकी डगर फिर पता न रहए । बो वनमे भटक गई रहए । तभी बोके लागो कि कोई बोकी पिछा करन डटो हए । जब बो धिरेसे पछ्छु घुमके देखी त बघटा बोकी शिकार करनकी तुक लगाए धिरे धिरे आन डटो रहए । बो भैसिया डराइगै अब बोकी ठिना अग्गु जानसे अलवा कछु उपाय न रहए, बो पुरा भटक गै रहए और बस् बघटासे दुर-दुर भाजन डटी रहए । बघटा फिर बोकी पछ्छू-पछ्छु जान डटो रहए, कब मौका मिलए और जाकी शिकार करौ शोचके भैसिया थोरी दुर जातहए कि एक ताल देखत हए अब बघटा सोचत हए अब कहाँ जाइगि जा भैसिया पर भैसियाकी ठिना त कोइ दुसरो उपाय न होत हए तभी बो तालमे घुस जात हए । बो तालमे पानी कम और दलदल जाधा होत हए और भैसिया हुनइ फसजात हए । फसि भैसियाके देखके बघटा हउसके मारे अग्गु बढत हए पर बघटाके पता न होत हए की हुना दलदल हए । जैसि बघटा बो तालमे घुसत हए बहु हुनै फसजात हए । अब भैसिया और बघटा दोने बो दलदलमे फसे होत हए । न त बघटा बो भैसियाकी शिकार करपात हए न त बो दलदलसे निकर पात हए । तभी भैसिया बघटासे पुछत हए तिर कोई गुरू वा मालिक हए कि नाए ? बघटा बडो घमण्डसे कहात हए न हए, मए अपनए गुरू हौ और मोके काहे चाहो गुरू ? तओ भैसिया कहात हए तोके मालिक, राजा, गुरू होनको फाइदा का हए जबकि तए हिनासे निकरी त पाए रहो हए ?

तओ बघटा कहात हए तए फिर त फसो हए तहु त न निकर पान डटो हए । तओ भैसिया कहात हए मए तोके जा प्रश्न काहे पुछो पता हए ? काहेकी मिर मालिक हए और जैसि-जैसि रात होइगी मिर मालिक मोके ढुँडन निकरइगो और जब बोके मए हिना दलदलमे फसो मिलङ्गो तओ बो मोके हिनासे निकारके लैजाबइगो । थोरी देर पछ्छु हुना गौसक एक आदमी आत हए और बो बघटासे बचाए बचाएके बो भैसियाके दलदलसे निकरत हए । पर बो आदमी बघटाके हुनासे न निकरत हए, काहेकी अगर बो बघटाके निकरतो त बघटा बिनके हुनइ खा जइतो । जा कहानी अपनके गजब बडी बात सिखात हए, हिना पर भैसियाकी मतलब हए आपनकी मन । आपन तुम जितनो नम्र रहिके, अच्छो मार्गदर्शन लइके चलङ्गे उतनो उन्नति, प्रगति, सफलता पमाङ्गे । और हिना बघटाकी मतलब हए आपनकी दिमाग, आपनकी अहङ्कार । अगर हम अपनए अपनाके सबकुछ मानके चलङ्गे तओ हम बर्बाद हुइजाङ्गे, हम कुछ न करपाङ्गे । बो कहात हए न घमण्ड त राजा रावणकी न चलो तौ हम का चिज हए ?

अनलाइन गेमिङ

✍ **दिनेश राना**
ध.उ.म.न.पा.-७, देवहरिया

गजब आदमीके अनलाइन गेमिङ कि बारेम पता न हए । जौन जौनके थोरी पता हए बे कि त मनोरञ्जनके तानी खेलत हएँ कि त बस नाम इकल्लो सुने हएँ । ऐसी करके जा कहानी हए मिर संगी अभिसेककीजो एक अनलाइन गेमर हए । मिर संगी छोटेसे गेम खेलत आओ हए । और बोके अनलाइन गेम खेलन बहुत सौख हए । जैसी जैसी दुनियाँमे अनलाइन गेम आन लागे, उइसी उइसी बोकी क्रेज अनलाइन गेम घेना जान लागो रहए । शुरू-शुरूमे त

बो उइसी मनोरञ्जनके तानी गेम खेलन हए फिर एक दिन बो सोचि युट्युब च्यानल बनाएके अपनी गेमको भिडियो डारन । और फिर बो धिरे-धिरे अनलाइन स्ट्रिमिङ फिर करन लागो । बाके इतनो गेम खेलत देखके बोकी आइया दौवा बाके बहुत सम्झात रहए कि भइया रे इतनो गेम मत खेलए पढउढ ले जे गेम खेलके अपनी जिन्दगी बर्बाद मत करए । जे गेम थोरी न तोके रूपैया देबाइगो । पर बो संगी कोइकी एक न सुनि और अपनी खेलो गेमकी भिडियो युट्युबमे अपलोड करत गओ । शुरू-शुरूमे खासए भ्युज न आत रहए पर पछ्छु-पछ्छु बो थोरी सोचसमझके अच्छी अच्छी भिडियो अपलोड करन लागो । अब बो सोचि जितका जानत हुइहएँ पर अबसे इङगलिस मे गेममे मस्कङगो । तौसे बो अपनी भिडियो टुटिफुटि इङगलिसमे बनान लागो । अब जासे का भौ कि बोकि इङगलिस फिर अच्छी होन लागी और बाकी भिडियो ग्लोबलइजेसन फिर होन लागी । अब बोकी भिडियोमे लाखौं भ्युज और हजारौं लाइक्स, कमेन्ट आन लागो रहए । अब तक बो अपनी च्यानलके मोनेटाइजेसन करबाएके रूपैया फिर कमान लागो रहए । जब बो जा बात अपनी दौवासे कहीं कि पापा देख मए अनलाइन गेम खेलके रूपैया कमान लागो हौं । जा बात सुनके बोकी

शुभ-कामना

हिन्दुनको बडो तिउहार दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे हमर वडा वासी देश विदेशमे रहनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

वडा सदस्य
भीमसेन राना
और
लालझाडी गाउँपालिका
५ नं. वडा कार्यालय
लालझाडी-५, कञ्चनपुर

दौवा खुशी त भौ पर एक प्रश्न फिर बोसे पुछ्दै कि भैया रे रूपैया त तए थोरी बहुत कमान लागो हए पर इतका रूपैयासे तए कैसे अपन परिवारके पालैगो ? तब अभिसेक अपन दौवासे कही देख दौवा मए रोज दिन नयाँ नयाँ भिडियो डारङगो और अनलाइन स्ट्रिमिङ करङ्गो । मिर युट्युब भिडियोसे त रूपैया मिलङ्गे-मिलङ्गी, मिर अनलाइन स्ट्रिमिङ भिडियो देखके फिर गजब आदमी रूपैया डोनेट करत हएँ । और जाकी सङ-सङ्गए अब मए ऐसे अनलाइन गेमिङ इभेन्ट टुर्नामेन्ट मे हिस्सा फिर लेमङ्गो । ऐसे टुर्नामेन्ट राष्ट्रिय स्तर मे इकल्लो नाएकी पुरा विश्व स्तरमे होत हए दौवा । और जिनकी पुरस्कर राशी हजारौंमे नाएकी लाखौंमे होत हए । बा संगीकी दौवा जधा समझ त न पाइ पर इतका समझ लै कि बाकी लौडा गेम खेलके फिर रूपैया कमाए लेत हए । फिर कुछ चमत्कार जैसो हुइगौ आजकाल त बो संगी देश विदेशके बडे बडे गेमिङ इभेन्टमे भाग लेत हए, और बोकी प्रख्यातिकी कारणसे फिर आदमी भिडियो देखत हएँ, और बच्चा बोकी भिडियोसे गेम खेलन सिखत हए । बो अपनी इकल्लो नाएकी पुरो देशके दुनियाकी अग्गु प्रस्तुत करके हमर सबकी नाउँ अग्गु बढान डटो हए । और आजकाल बो एक फुल टाइम गेमर हए । अगर आदमीमे कोइ चिजकी ताहीं बहुत सौख होबए और बो चिजके अच्छेसे अग्गु बढान ताहीं एक सही डगर, व्यावस्थापन करएँ त का चिजसे आम्दानी न कर सकत हएँ ?

अपन कोई फिर लेख रचना गित, गजल, कहानी, सुझाव पठान ताहीं सहयोगको आसरा करत तरएको ठिहामा पठान अनुरोध करत हएँ ।
Email: ranatharuwa@gmail.com
Facebook Page : http://ranatharu.com/
Contact : 9848463176, 9814620010

नेपालमे संघियताको विकास और संवैधानिक व्यवस्था

✍ श्याम कुमार राना
वडा सचिव बेलौरी न.पा.-२,कञ्चनपुर

संघियता शासन और शासन सञ्चालनको एक प्रणाली तथा प्रकृया हए । राज्य शक्तिके केन्द्रमे मात्र सिमित न रखाएके विभिन्न राज्य, तहमे स्वायत्त और सह शासन करनिया मान्यता कहोक संघीयता हए । राज्यके एक से जाधा स्वायत्त इकाइ अथवा सरकारमे विभाजन करके शासन संचालन करनिया विधि कहोक संघीयता हए ।

नेपालमे ईशापूर्व छैठौं शताब्दी घेन वर्तमान नेपालको कपिलवस्तु क्षेत्रमे शाक्य और नवलपरासी क्षेत्रमे कोली जातके कविलाई लोग संघीय शासन ब्यवस्थाको अभ्यास करिरहएँ । ईशापूर्व चौथो शताब्दी घेन नेपालके लिच्छवी, वज्जी, विदेह, मल्ल अइसी करके और जात मिलके महासंघ बनाईरहै जक उदाहरण ईतिहासमे लिखो मिलत हए । आधुनिक नेपालको ईतिहासमे राणा शासनको अन्त्य (२००७) और लोकतान्त्रिक शासन घेनको सुरूको यात्रा के संग तराई कांग्रेस (२००८), जे सबसे पहिले स्वायत्त तराई प्रदेशको माग करके संघीय मान्यतामे मुलुकके लैजानको धारणाको सुरूवात करिरहएँ । नेपाल कम्युनिष्ट पार्टीको प्रथम सम्मेलन (२००८) मे पुष्पलाल द्धारा प्रस्तुत और सम्मेलनसे पारित प्रस्ताव स्थानीय और इलाकीय (क्षेत्रीय) सरकारको प्रावधान रहए । अइसी करके नेपाली कांग्रेसको जनकपुर सम्मेलन (२००९) मे सात सालसे अग्गुक संरचना बदलन और अञ्चल, जिल्ला, गाउँ, नगर सहितको नयाँ संरचना बनानको प्रस्ताव प्रस्तुत करी रहएँ । जा कहोक केन्द्रिकृत शक्ति के विकेन्द्रीकरण करनमे जोडदैरहए । ऐसी करके नेपाल सदभावना पार्टी (२०४७) को २०४८ को निर्वाचन पिछु अपन घोषणापत्रमे नेपाल के पाँच प्रदेश (पुर्वी मधेश, पश्चिमी मधेश, पुर्वी पहाड, मध्य पहाड और पश्चिमी पहाड) को संघीय संरचना अनुसार लैजान पडो कहिके जोड दैरहएँ ।

खास करके २०४७ साल पिछु जातीय स्वायत्त प्रदेश सहितको संघीय राज्यको संस्थागत आवाज उठो हए । नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) को वैधानिक मञ्च संयुक्त जनमोर्चा नेपाल से प्रस्तुत भओ चालिस बुँदे माग (२०५२) मे जनजातिको बाहुल्य भए क्षेत्रमे स्वायत्त शासन, पिछडे भए इलाकामे क्षेत्रीय स्वायत्तता, पहाड और तराईको क्षेत्रीय भेदभावको अन्त्य करनको

शुभ-कामना

हिन्दुनको बडो तिउहार दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे हमर वडा वासी देश विदेशमे रहनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

वडा अध्यक्ष
फुलराम चौधरी
और
लालझाडी गाउँपालिका
६ नं. वडा कार्यालय
लालझाडी-६,चान्देव, कञ्चनपुर

विषय अग्गु बढाईरहएँ । तिसरो संसदीय निर्वाचन (२०५६) के पिछु नेकपा (माओवादी) द्धारा भओ शसस्त्र संघर्षके समयमे स्वायत्त राज्य और समानान्तर सरकारको प्रारम्भिक अभ्यास (२०६०) भओरहए । जा अभ्याससे राज्य पुनसंरचना सहित संघीय मान्यताको अवधारणामे वैचारिक और राजनीतिक रूपसे अग्गु बढान बल पुगो । निरंकुश राजतन्त्रको अन्त्य करन ताहीं पूर्ण लोकतन्त्रके पक्षमे राज्यको पुनसंरचना और शान्तीपुर्ण जनआन्दोलन अग्गु बढान सरकार मे भए सात राजनीतिक दल और नेकपा (माओवादी) बीच १२ बुँदे समझदारी से राजनीतिक निकास सहित संविधानसभा से राज्यको पुनर्संरचना करनको सहमति भओ । मधेशवादी दलको माग सहितको आन्दोलन से नेपालको अन्तरिम संविधान (२०६३ मे तिसरो संशोधन करके संघीय लोकतन्त्रको संवैधानिक प्रावधान थपो गओ । जा संशोधन नेपालके संघीय राज्य बनान महत्वपुर्ण भुमिका निर्वाह करि करके दिखात हए । संविधान सभाको पहिलो वैठकसे विधिवत रूपमे संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रको घोषणा सहित जा को कार्यन्वयन मे सवए राजनीतिक दल घेनसे प्रतिबद्धता प्रकट भओ रहए । और नेपालमे लागु फिर भओ ।

नेपालको संविधानमे संघीयता और संघीय प्रणाली सम्बन्धी व्यवस्था :

नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ से संघीयताको संवैधानिक घोषणा और प्रतिवद्धता होएसेफिर संघीयता तथा संघीय शासन प्रणालीको वास्तविक अभ्यास ना होनके कारण नेपालको संविधान २०७२ को भाग ५, धारा ५६ मे नेपालको मूल संरचना संघ, प्रदेश और स्थानीय तह करके ३ तहको होन तथा भाग ७ धारा ७४ मे शासकीय स्वरूप/प्रणाली को ब्यवस्था भओ हए । वर्तमान संविधानमे संघीयता सम्बन्धी ब्यवस्था देहाय बमोजिम हए ।

(क) प्रस्तावना :

• संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासनसे दिगो शान्ति सुशासन, विकास और समृद्धि लानको प्रतिवद्धता ।

(ख) नेपाल राज्य :

• नेपाल संघीय राज्य हुइहए । (धारा ४ मे व्यवस्था हए)

(ग) राजनीतिक उद्देश्य :

• धारा ५०(१) बमोजिम परस्पर सहयोगमे आधारित संघीयताके आधारमे संघीय इकाइ बीच सम्बन्ध संचालन तथा संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके सुदृढ करनिया व्यवस्था करन

शुभ-कामना

हिन्दुनको बडो तिउहार दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे हमर वडा वासी देश विदेशमे रहनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

नगर प्रमुख
पोतिलाल चौधरी
और
बेलौरी नगरपालिका
नगरकार्यपालिकाको कार्यालय
बेलौरी, कञ्चनपुर

(घ) राष्ट्रिय एकता और राष्ट्रिय सुरक्षा सम्बन्धि नीति :

• धारा ५१(क)(२) बमोजिम संघीय इकाइ बीच सहयोगात्मक सम्बन्धको विकास करन ।

(ङ) राननीतिक और शासन व्यवस्था सम्बन्धी नीति :

• धारा ५१(ख)(६) बमोजिम संघीय इकाइ बीच जिम्मेवारी, स्रोत साधन और प्रशासनिक साझेदारी करत सुमधुर सहयोगात्मक सम्बन्धको विकास और विस्तार करन ।

(च) राज्यको संरचना और राज्य शक्तिको बाँडफाँड :

• धारा ५६ राज्यको संरचना : संघ, प्रदेश और स्थानीय करके ३ तहको होन ।

• धारा ५७ राज्य शक्तिको बाँडफाँड : अनुसुची ५ से ९ बमोजिम एकल और साझा अधिकार मार्फत होन ।

• धारा ५८ अवशिष्ट अधिकार : संघके मात्र प्रयोग करन ।

• धारा ५९ आर्थिक अधिकारको प्रयोग : संघ, प्रदेश और स्थानीय तह संविधान और कानून बमोजिम आर्थिक अधिकार प्रयोग करन ।

• धारा ६० राजश्व स्रोतको बाँडफाँड : संघ, प्रदेश और स्थानीय तह अपन अपन अधिकार क्षेत्रके विषयमे कर लगान तथा राजश्व उठान प्रयोग करहएँ ।

(छ) शासकीय स्वरूप :

• धारा ७४ बमोजिम नेपालको शासकीय स्वरूप संधात्मक हुइहए ।

(ज) संघ, प्रदेश और स्थानीय तहबीच अन्तर सम्बन्ध :

• धारा २३३ संघ, प्रदेश और स्थानीय तहबीचको अन्तर सम्बन्ध, सहकारिता, सह-अस्तित्व और समन्वयके आधारमे हुइहए ।

• धारा २३४ संघ, प्रदेश और स्थानीय तहबीचको सम्बन्ध सम्बन्धी व्यवस्था ।

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. शिवा थापा
मो.नं. : ९८०९४२४२४२
IME **बेल्डाडी**
बेल्डाडी-२, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. भवानसिंह वुडाल
मो.नं. : ०९९-५८०२५९, ९८१८७०१९७२
कञ्चन रेष्टुरेन्ट
बेलौरी-४, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. शंकर राना
मो.नं. : ९८१०७३६२०५
न्यू भिजन क्याफे
बलौरी-४, बेलौरी बजार, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. लोकेन्द्र राना
मो.नं. : ९८४८७५९२७२, ९८०६४५११९९
चाँद आर्टस एण्ड हिमसिवल ट्रेडर्स (पेन्टीङ एण्ड प्लम्वीङ)
शु.न.पा.-६, वनसमिति मेनरोड, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ सिमेन्ट , सरिया, टिन , हार्डवेयरके सबय समान सस्तो मोलमे मिलत हए । और बिजुलिके सबय समान फिर मिलत हए ।

प्रो. गोपाल राना
मो.नं. ः ९८११६४७६१९

पि.एन ट्रेडर्स एण्ड सप्लायर्स
ध.उ.म.न.पा.-१, पार्कमोड, कैलाली

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हित्रा चाउमील, मम, सेकुवा, तास, के संगए समोसा, चाह जैके फास्ट फूड ताजा सफा सुफत मुल्यमे मिलत हए । सेवा करन मौका जरुर दियो ।

प्रो. दुखीराम चौधरी
मो.नं.:९८९८१०६३१५१९

नितेस नास्ता पसल
लालझाडी गाउँपालिका-४, जाँइ, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ बिहा, मगनी, वर्थडे औ शुभकार्य के ताहीं सबए प्रकारके ताजा, सफा मिठाइ मिलत हए । सेवा करन मौका जरुर दियो ।

प्रो. लाल ब. राना
मो.नं. ९८१०६६०९४३

के एण्ड के मिठाइ पसल
लालझाडी गाउँ पालिका-४, जाँइ, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको बडो तिउहार दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसर मे हमर वडा वासी देश विदेशमे रहनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

वडा सचिव
श्याम कुमार राना
और
बेलौरी नगरपालिका
२ नं. वडा कार्यालय
बेलौरी-२, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

सचिव — मिना चौधरी
अध्यक्ष — झेलसिंह राना

नन्देश्वर सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह
लालझाडी गाउँपालिका-३, कञ्चनपुर

सुदूरपश्चिम प्रदेशको एक झलक

✍ खगेन्द्र बहादुर थापा
शिक्षक

नेपालमे सात प्रदेश मध्य सुदुरश्चिम प्रदेश एक हए । जा प्रदेश हिमाल, पहाड और तराई मिलके वनोहए । जक विशेषता अपन किसिमको हए । काहे कि हरेक ठाउँको भाषा साँस्कृतिक रहन सहन भेष भुषा चाल चलन रीति रिवाज लवाई खवाइ बोलिचाली अलग मेलको होतहए ।

जा प्रदेशको जनसंख्या २५५२५१७ हए और जा प्रदेशको कुल क्षेत्रफल १९५३९ वर्ग कि.मी हए । जा प्रदेशसे विजय भए संघीय . सांसद १६, प्रदेश सांसद ३२ हएँ कहेसे स्थानीय तह मैसे एक उपमहानगरपालिका ३३ नगरपालिका, ५४ गाउपालिका करके ८८ स्थानियतह हएँ । सुदुरपश्चिम प्रदेशमे जम्मा ९ जिल्ला हएँ बो मैसे हिमाली जिल्ला तीन,पहाडी जिल्ला चार और तराइमे दुई जिल्ला हएँ । अगर जा प्रदेशमे भए कला साँस्कृतिके अग्गु बढानहए कहेसे हरेक ठाउँमे कछु नकछु विशेषता हएँ । "जैसे की दार्चुलामे व्यास हिमाल, वैतडीमेत्रिपुरा औ निग्लासैनीमन्दिर, डडेल्धुरामेउग्रतारा औ अजैमेरू गड, डोटीमे शैलेश्वरी मन्दिर, अछाममे वैद्यनाथ औ रामारोसन ताल, बाजुरामे वडीमालिका, वझाङमे सैपाल हिमाल, कञ्चनपुरमे दोधारा चांदनी की झलङगे पुल और कैलालीमे कर्णाली पुल,टीकापुर पार्क बहुतसे मठमन्दिर हएँ ।

सुदुरपश्मि प्रदेशकी सामाजिक , आर्थिक, धार्मिक तथा राजनीतिक रूपसे देखत हए कहेसे और प्रदेशसेकम नाहए । सामाजिक दृष्टिकोणसे देखत हए त हिनपर बहुत जातजातिक आदमिनको बसोबास हए जा प्रदेश मे । आर्थिक रूपसे देखत हए कहेसे हिनपर बनजंगलमे पानबालि बहुतमेलकी जडीबुटी हिमालय पर्वतसे बहानबाली नदीया तालतलैया कुछ खानी फिर हए । धार्मिक रूपसे देखत हए कहेसे मठ मन्दिरसे लैके लाइके भाषा सस्कृति मुख्य हएँ । राजनीतिक दृष्टिकोणसे देखत हए तओ हिमाल पहाड और तराई मिलके बनोहए जा प्रदेश ।

हियाँकी सौन्दर्यताके देखत हए कहेसे आन्तरिक औ

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, बुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

विहा, पार्टी, ब्रतवन्ध, जन्मदिन, सभा, समारोहाके ताँही टेन्ट, भाँडावर्तन, साउन्ड सिस्टम, क्यामेरा, व्याण्ड बाजा, जेनेरेटर मिलत हए संगए होम डेलिकरीक व्यवस्था फिर हए । सेवा करन मौका जरुर दियो ।

प्रो. नारायण राना (जोन)
मो.नं.: ९८०१३९२९१०, ९८२५६७७०६७

जोन डिजे एण्ड टेन्ट हाउस
लालझाडी-४, जाई, कञ्चनपुर

वाहय पर्यटकनको आगमन होनको सम्भावना बहुत दिखात हए । आर्थिक औ सामाजिक रूपमे देखत हए तओ जा प्रदेश और प्रदेशसे कम नहए । स्रोत साधनके पहिचान औ प्रवद्धनकी कमिसे बहुतसे वस्तु वाहिर खुला प्रचार अथवा उजागर नहुइपाइ हएँ । यीनके अग्गु लानके ताँहि प्रदेश सरकारसे बहुतमेलके कार्यक्रम सञ्चालन करनपडैगो ।

सुदुरपश्चिम प्रदेशके स्थानिय तहके मेयर अध्यक्ष उपमेयर उपाध्यक्षक नामावली :

(१) बाजुरा जिल्लाके स्थानिय तहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- बडिमालिका नगरपालिका पदम बडुवाल/कविता विष्ट
- त्रिवेणी नगरपालिका राम सिह रावल/राधिका सुनार
- बुढीगंगा नगरपालिका दिपक विक्रम शाह/तारा खाती
- बुढीनन्दा नगरपालिको पदम कु.गिरी/सृष्टि रेग्मी
- गौमुल गाउंपालिका हरि ब.रोकाया/सीता थापा
- जगनाथ गाउंपालिका कालि प्रसाद शाही/ऐना गिरी
- स्वामीकार्तिक खापर गाउंपालिका चिरन्जीवी शाही/मिमा बुढा
- खप्तडछेडेदह गाउंपालिका नर ब.रावत/कुन्ती साउद बुढा
- हिमाली गाउंपालिका गोविन्द्र ब.मल्ल/चन्दा देवी बुढा

(२)कैलाली जिल्लाके स्थानिय तहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- धनगढी उपमहानगरपालिका नृप ब. वड/शुशिला मिश्र)
- टीकापुर नगरपालिका सतपेन्द्र रावल/केशरी कु. रावल
- घोडघोडी नगरपालिका ममता चौधरी/प्रेम कु. चौधरी
- लम्की, चुहानगरपालिका महादेव वजगाई/टीका थापा
- गोदावरी नगरपालिका हरि ब.साउद/रत्ना कठायत
- गौरीगंगा नगरपालिका भिम ब. देउवा/अन्चला चौधरी
- जानकी गाउंपालिका प्रदिप कु. चौधरी/उमा महत्व
- वर्दगोरीयागाउंपालिका बलीरामडगौरा थारू/भगवती डगौरा थारू
- मोहन्याल गाउंपालिका नवल सिह रावत/पुजा देवी बुढामगर
- कैलारीगाउंपालिका लाजुराम चौधरी/लक्ष्मी सत्गौवा थारू
- जोशीपुर गाउपालिका रामकृष्ण चौधरी/गीता कठरिया
- चुरेगाउंपालिका धन ब. रोक्का मगर/देवी साउद

(३)बझाङ जिल्लाके स्थानिय तहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

(१) जयपृथ्वी नगरपालिका विरेन्द्र ब. खडका/जुना जाग्री
(२) बुंगलनगरपालिका धन ब. विष्ट/मिना बोहरा ,जाग्री
(३) तलकोटगाउंपालिका लाल ब.विष्ट/धनलक्ष्मी खत्री
(४) मस्टागाउंपालिका अमर बहादुर जेठारा/झलक दौल्याल
(५) खप्तडछान्नागाउंपालिका वर्क ब. रोकाया/पाउसरा देवी थापा
(६) थलारागाउंपालिका भुवनेश्वर उपाध्याय/गँगा देवी खणायत
(७) बित्थडचिर गाउंपालिका प्रेम ब. बोहरा/जानकी बोहरा
(८) सुर्मागाउंपालिका नर बहादुर बोहरा/समिता पुजारा
(९) छब्बीस पाथिभेरा गाउंपालिका अक्कल धामी/राधिका रताला
(१०)दुर्गाथलीगाउंपालिका प्रयाग राज जोशी/पारभती देवी जप्रेल
(११) केदारस्यूँगाउंपालिका इन्द्र ब भण्डारी/निशा धामी
(१२) साईपालगाउंपालिकाराजेन्द्र ब. धामी/कल्पना देवी बोहरा

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

प्र.अ.
सुरेन्द्र वोहरा
और
श्री वैजनाथ बहुभाषिक आधारभूत विद्यालय
लालझाडी-४, जाई, कञ्चनपुर

(४) अछाम जिल्लाका स्थानिय तहहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- मंगलसैन नगरपालिका पदम ब.बोहरा/सरीता उपाध्याय
- कमल बजार नगरपालिका ओम प्रकाश विष्ट/भुमिसरा बजगाई
- सांफेबगर नगरपालिका कुल ब.कुवंर/निर्मला बुढथापा
- पञ्चदेवल विनायकनगरपालिका देव राज देवकोटा/अम्विका चापागाई
- चौरपाटी गाउंपालिका हर्क ब. साउद/माया कुवंर
- मेल्लेख गाउंपालिका लोक ब.बोहरा/धन ब.शाही
- बान्नीगढी जयगढ गाउंपालिका राजेन्द्र खडका/लोग ब.साउद
- रामारोशन गाउंपालिका झँकर साउद/सरस्वती रावल
- कढकारी गाउंपालिका धन ब.बुढा/लक्ष्मी साउद
- तुर्माखांद गाउंपालिका पुष्प राज शर्मा/अमृता बुढा

(५)डोटी जिल्लाके स्थानिय तहहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

दिपायल सिलगढी नगरपालिका मंञ्जु मलास

शिखर नगरपालिका सीताराम जोशी/धौली देवी रावल

- पुर्वी चौकी गाउंपालिका दिर्घ राज बोगटी/निर्मला साउद
- बडीकेदार गाउंपालिका कृष्ण ब. चन्द/इन्द्रा देवी भाट
- जोरायल गाउंपालिका दुगादत्त ओझा/जमुना बोहरा
- सायल गाउंपालिका तेज ब. ढुंगेल/विस्ना देवी सिह
- आर्दश गाउंपालिका टेक ब.रोकाया/कमला देवी ओझा
- के.आइ.सिंह गाउंपालिका लोकेन्द्र शाही/मिना देवी विष्ट
- बोगटान गाउंपालिका कमल ब.गड्ढसिला/भगवती बम

(६)कञ्चनपुर जिल्लाके स्थानिय तहहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- भीमदत्तनगरपालिका सुरेन्द्रविष्ट/शुशिला चन्द
- पुनर्वासनगरपालिका जीवन राम थापा/शारदा शर्मा ,विष्ट
- वेदकोटनगरपालिका अशोक ब. चन्द/शुशिला सिह
- महाकालीनगरपालिका विर ब. सुनार/चिनि ओझा,गिरी
- शुक्लाफाटानगरपालिका दिल ब ऐर/तुल्सी देवी हमाल
- बेलौरीनगरपालिका पोतिलाल चौधरी/चित्र कु.चौधरी
- कृष्णपुरनगरपालिका कर्ण ब. हमाल/रमिता राना
- बेलडांडीगाउंपालिका धन ब. क्षेत्री थापा/कमला देवी कार्की
- लालझाडीगाउंपालिका मदनसेन वडायक/सत्य देवी महरा

(७) डडेल्धुरा जिल्लाके स्थानिय तहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- अमरगढीनगरपालिका विश्वस्वर प्रसाद ओझा/संगिता भण्डारी
- परशुरामनगरपालिका भिम ब. साउद/कलावती देवी बोहरा
- आलितालगाउंपालिका बल ब. गुरूङ/जला कु. विष्ट,बोगटी
- भागेश्वरगाउंपालिका कौशिला कुमारी भट्ट/पदम ब.बोहरा
- नवदुर्गागाउंपालिका कविन्द्र ब. विष्ट/डम्वरी ओली
- अजयमेरूगाउंपालिका उमेश प्रसाद भट्ट/कलावती भाण
- गन्यापधुरागाउंपालिकागाउंपालिका नवल ब. मल्ल

(८)बैतडी जिल्लाके स्थानिय तहहके मेयर/अध्यक्ष

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

अध्यक्ष

दयाराम राना

और

संयुक्त नेपाल अनाथ तथा असहाय बालबालिका समाज

कृष्णपुर न.पा.-२, कञ्चनपुर

/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- दशरथ चन्द नगररनरेन्द्र सिह थापा/मिना चन्द
- पाटन नगरपालिकाकेशव ब.चन्द/सरस्वती कोली
- मेलौली नगरपालिका कृष्ण सिह नाथ/कु राधा ओझा
- पुर्चौडी नगरपालिकारण ब.कुवंर/जानकी ऐर ,बम
- सुर्नया गाउंपालिका
- सीगाल गाउंपालिकाहरि सिह धामी/द्रोपती चन्द
- शिवनाथ गाउंपालिका कर्ण सिह साउद/कुस्मा चन्द
- पञ्चेश्वर गाउंपालिकागोरख ब.चन्द/विना भट्ट
- दोगडा गाउंपालिका चक्र ब.कार्की
- डिलासैनी गाउंपालिका उकेन्द्र ब.बोगटी/पार्वती भण्डारी,राना

(९)दार्चुला जिल्लाके स्थानिय तहके मेयर/अध्यक्ष/उपमेयर/उपाध्यक्ष

- महाकाली नगरपालिका हँष राज भट्ट/सुना बोहरा
- शैल्यशिखर नगरपालिकाअमर सिह धामी/राजमती बम ,पाल
- मालिकार्जुनगाउंपालिकानरेन्द्र सिह धामी /पुष्पा अवस्थी
- अपिहिमालगाउंपालिकाधर्मानन्द सिह मन्याल/उर्मिला बोहरा
- दुहुंगाउंपालिका पुलेन्द्र ब.कार्की/इश्वरी जोशी
- नौगाढगाउंपालिकाप्रेम सिह धामी/गौरी देवी ठकून्ना
- मार्मागाउंपालिकाजमन सिह धामी/बागमती ठकुन्ना
- लेकडगाउंपालिकापरमानन्द जोशी/माधवी जोशी
- व्यासगाउंपालिकादिलिप बुढाथोकी/हिमा भट्ट

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हियाँ मछरी,मुर्गाक मासु लगायत स्वादेशी औ विदेशी ब्राण्डकि मदिरा फिर मिलत हए, एकदऔँ जरुर सेवाक मौका दियो ।

प्रो. कृष्ण राना

कृष्ण मिक्नि सेन्टर

ध.उ.म.न.पा.-७, बेलीगाउँ, कैलाली

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजय दशमि दिवारी औ छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवि लगायत स्वदेश औ विदेशमे बैठनबारे सबय नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ ।

हमर हियाँ मछरी, मुर्गा, सोराकी शुद्ध मासु मिलत हए, एकदऔँ जरुर सेवाको मौका दियो ।

प्रो. अन्तराम चौधरी

चौधरी मासु पसल

ध.उ.म.न.पा.-७, मोतीचोक, कैलाली

बर्तमान रानाथारू समुदायके संघिय, प्रदेश और स्थानीय तहके जनप्रतिनिधिके फोन डायरी

क्र. सं.	जनप्रतिनिधिक नाम	पद	तह	सम्पर्क नं.
१	नारदमुनी राना	संघिय प्र. स.	संघिय प्र. स.	९८५१०७०९६०
२	श्यामलाल राना	प्रदेश प्र. स.	सुदूरपश्चिम प्रदेश	९८४८६८१२०८
३	मालामती कु. राना	प्रदेश प्र. स.	सुदूरपश्चिम प्रदेश	९७४११६७५५३
४	मदन सेन बडायक	गा.पा. प्रमुख	लालझाडी गा.पा.	९८१४६५२१०१
५	रमिता राना	गा.पा.सह प्रमुख	कृष्णपुर न.पा.	९८१५६६७७९२
६	सिताराम राना	वडा अध्यक्ष	धनगढी उ.म.न.पा.-७	९८५८४२२६०८
७	राजेन्द्र राना	वडा अध्यक्ष	धनगढी उ.म.न.पा.-१०	९८०१३८४२४३
८	गंगाराम राना	वडा अध्यक्ष	धनगढी उ.म.न.पा.-११	९८६८४१७५६४
९	माधव राना	वडा अध्यक्ष	धनगढी उ.म.न.पा.-१७	९८११६७५४७०
१०	रामदुलारे राना	वडा अध्यक्ष	पुनरबास न.पा.-७	९८१२७७१४२१
११	शरवण राना	वडा अध्यक्ष	पुनरबास न.पा.-८	९८०६४८९७६८
१२	सुकदेब राना	वडा अध्यक्ष	पुनरबास न.पा.-१०	९८०४६२१३७५
१३	कल्लुराम राना	वडा अध्यक्ष	कृष्णपुर न.पा.-७	९८१२६३०४८०
१४	अमर सिं बडायक	वडा अध्यक्ष	कृष्णपुर न.पा.-८	९८६८४०५०९३
१५	नन्द कुमार राना	वडा अध्यक्ष	बेलौरी न.पा.-११	९८०१३८९५५५
१६	प्रकाश बडायक	वडा अध्यक्ष	बेलौरी न.पा.-१०	९८५८७५३९५६
१७	जगत सिं राना	वडा अध्यक्ष	शुक्लाफाँटा न.पा.-७	९८०९४३९३७४
१८	बाली राना	वडा अध्यक्ष	शुक्लाफाँटा न.पा.-१२	९८०९४४२५६४
१९	छिमानन्द राना	वडा अध्यक्ष	लालझाडी गा.पा.-१	९८०६४३५५७३
२०	हेमराज राना	वडा अध्यक्ष	लालझाडी गा.पा.-२	९८०६४२७१८०
२१	बहादुर राना	वडा अध्यक्ष	लालझाडी गा.पा.-४	९८०६४७७४२२ ९८५८७४५५९४
२२	फट्टे राना	वडा अध्यक्ष	बेतकोट न.पा.-६	९८४८७०१२५३

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ नयाँ डिजाइनक लेडिज औ जेन्सके फेन्सी लत्ता कपडाके संगए जुत्ता,चप्पल सस्तो मोलमे मिलत हए ।

प्रो. रामचन्दर राना
मो.नं. ः ९८०६४४२४६७०

राकेश फेन्सी स्टोर
लालझाडी-६ चान्देव, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. मान ब. राना
मो.नं.: ९८४८६८६२६४

एम.बि. कम्प्यूटर
लालझाडी-६ चान्देव, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

हमर हियाँ नयाँ डिजाइनक लेडिज औ जेन्सके फेन्सी लत्ता कपडाके संगए जुत्ता,चप्पल सस्तो मोलमे मिलत हए ।

प्रो. पदमसिंह राना
मो.नं. ९८२४६९८४३०

न्यू जानकी सपिङ सेन्टर
लालझाडी-६ चान्देव, कञ्चनपुर

शुभ-कामना

हिन्दुनको महान तिउहार विजया दशमी दिवारी और छठ पर्वकि पावन अवसरमे ग्राहक वर्ग, व्यापारी वर्ग, शुभचिन्तक, इष्टमित्र, समाजसेवी, वुद्धिजिवी लगायत स्वदेश और विदेशमे बैठनबारे सबए नेपाली ददाभइया दिदीवहिनियाँमे हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त करत हएँ।

प्रो. मोहन राना
मो.नं. ९८१२७७८३४०

न्यू पूजा लक्ष्मी सप्लायर्स
लालझाडी-६ चान्देव, कञ्चनपुर